Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 291
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
सोमवार, 27 अक्टूबर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

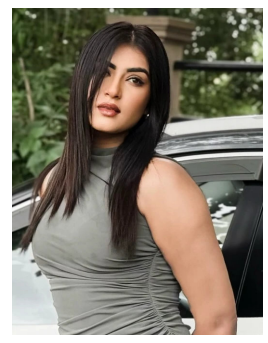

3 मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 1,352 करोड़ ...

4 योगी-केशव में सुलह, पर मन नहीं मिले; ...

7 महिला विश्व कप : इंग्लैंड की न्यूजीलैंड पर...

संक्षिप्त न्यूज

राष्ट्रपति ने गाजियाबाद में यशोदा मेडिसिटी परियोजना की शुरुआत की

गाजियाबाद। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को गाजियाबाद के इंदिरापुरम स्थित यशोदा मेडिसिटी परिसर में स्मारक पट्टिका का अनावरण कर परियोजना की शुरुआत की। यशोदा मेडिसिटी की शुरुआत के मौके पर राष्ट्रपति के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल भी मौजूद रहीं।

यशोदा मेडिसिटी के चेयरमैन डॉ. पी.एन. अरोड़ा ने इस मौके पर अतिथियों का स्वागत किया। इसके पहले डॉ. अरोड़ा ने पत्रकारों को बताया था कि यशोदा मेडिसिटी अत्याधुनिक तकनीक, अनुभवी चिकित्सकों और प्रशिक्षित स्टाफ से सुसज्जित है। यह न केवल आधुनिक चिकित्सा सेवाओं का केंद्र बनेगा, बल्कि मरीज-केंद्रित देखभाल और स्वास्थ्य जागरुकता का भी प्रतीक होगा।

मध्यप्रदेश देश का शीर्ष टमाटर उत्पादक राज्य बना : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि राज्य समर्थित प्रोत्साहन योजनाओं के कारण पैदावार में हुई वृद्धि के कारण मध्यप्रदेश देश का शीर्ष टमाटर उत्पादक राज्य बन गया है। मध्य प्रदेश सरकार के बयान के अनुसार, किसानों ने उत्साहपूर्वक नकदी फसल उत्पादन को अपनाया है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई है और घरेलू खाद्य आवश्यकताओं को पूरा किया है। यादव ने शनिवार को कहा, ''मध्यप्रदेश देश में टमाटर उत्पादन में नंबर एक है।'' प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकीकरण (पीएमएफएमई) योजना के तहत, टमाटर की खेती पर आधारित लघु उद्योगों को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित किया जा रहा है। यादव ने कहा कि सरकार टमाटर के बीज पर 50 प्रतिशत तक सब्सिडी दे रही है।

कोरापुट कॉफी सचमुच स्वादिष्ट, ओडिशा का गौरव है: प्रधानमंत्री मोदी

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कोरापुट की कॉफी की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह गर्म पेय पदार्थ वास्तव में स्वादिष्ट है और ओडिशा का गौरव है। मोदी ने मन की बात में कहा, 'चाय के साथ मेरा जुड़ाव तो आप सभी जानते ही हैं, लेकिन आज मैंने सोचा कि 'मन की बात' में क्यों न कॉफी पर चर्चा की जाए। आपको याद होगा, बीते साल मैंने 'मन की बात' में अराकू कॉफी पर बात की थी।'

मोदी ने कहा कि कुछ समय पहले ओडिशा के कई लोगों ने उनसे कोरापुट कॉफी को लेकर भी अपनी भावनाएं साझा की थीं। उन्होंने कहा कि लोगों ने उन्हें पत्र लिखकर कहा कि 'मन की बात' में कोरापुट कॉफी पर भी चर्चा की जाए। प्रधानमंत्री ने कहा,'मुझे बताया गया है कि कोरापुट कॉफी का स्वाद गजब होता है, और इतना ही नहीं, स्वाद तो स्वाद, कॉफी की खेती भी लोगों को फायदा पहुंचा रही है।'

उन्होंने कहा कि कोरापुट में कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो अपने जुनून की वजह से कॉफी की खेती कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि वे लोग अच्छी-खासी नौकरी करते थे, लेकिन वो कॉफी को इतना पसंद करते हैं कि इस क्षेत्र में लग गए और अब सफलता से इसमें काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'ऐसी कई महिलाएं भी हैं, जिनके जीवन में कॉफी से सुखद बदलाव हुआ है। कॉफी से उन्हें सम्मान और समृद्धि, दोनों हासिल हुई है। सच ही कहा गया है : कोरापुट कॉफी अत्यंत सुस्वादु। एहा ओडिशार गौरव।'

उन्होंने कहा कि भारतीय कॉफी दुनिया भर में बहुत लोकप्रिय हो रही है, और कर्नाटक, तमिलनाडु व केरल जैसे राज्यों का जिक्र किया जहां कॉफी की खेती की जाती है। मोदी ने कहा, 'भारतीय कॉफी की विविधता वाकई अद्भुत है।

पीएम मोदी का ऐलान, भारत और आसियान की होगी 21वीं सदी, बदलेंगे वैश्विक समीकरण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 47वें आसियान शिखर सम्मेलन 2025 को ऑनलाइन संबोधित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि 21वीं सदी भारत और आसियान देशों की है।

उन्होंने दक्षिण पूर्व एशिया के साथ मिलकर एक साझा, सबको साथ लेकर चलने वाला और टिकाऊ भविष्य बनाने के भारत के सपने पर भी बात की। उन्होंने कहा कि आसियान भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' का एक खास हिस्सा है।

शिखर सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा, '21वीं सदी हमारी सदी की सदी है। मुझे विजन 2045' लक्ष्य पूरी है। यह भारत और आसियान यकीन है कि 'आसियान समुदाय और 'विकसित भारत 2047' का इंसानियत (मानवता) के लिए एक बेहतर भविष्य बनाएगा।' उनके इस भाषण में 10 देशों के इस समूह के साथ भारत के बढ़ते रणनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक रिश्तों पर जोर दिया गया।प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत और आसियान कई क्षेत्रों में, जैसे- आपदा के समय मदद करना, समुद्र की सुरक्षा, और नीली अर्थव्यवस्था, मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि 2026 को 'आसियान-भारत समुद्री सहयोग वर्ष' के रूप में मनाया जाएगा। यह हिंद महासागर में दोनों के बीच सहयोग के एक नए दौर की शुरुआत करेगा।

मलेशिया 2025 के लिए आसियान का अध्यक्ष है, और फिलीपींस 2026 में अध्यक्ष होगा। भारत ने 1992 में एक 'क्षेत्रीय संवाद भागीदार' और फिर 1995 में एक 'संवाद भागीदार' के रूप में आसियान के साथ औपचारिक तौर पर जुड़ना शुरू किया था।

राहुल गांधी का BJP पर वार, महाराष्ट्र की महिला डॉक्टर की आत्महत्या को बताया 'संस्थागत हत्या'

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र की महिला सरकारी डॉक्टर की आत्महत्या को संस्थागत हत्या करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह घटना भाजपा सरकार की अमानवीय और असंवेदनशील कार्यप्रणाली को उजागर करती है।

यह डॉक्टर महाराष्ट्र के बीड जिले की रहने वाली थीं और सतारा जिले के फळटन में सरकारी अस्पताल में तैनात थीं। गुरुवार रात उन्हें एक होटल के कमरे में फांसी के फंदे से लटका पाया गया। डॉक्टर ने अपनी हथेली पर लिखे सुसाइड नोट में पुलिस सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदाने पर कई बार दुष्कर्म करने और सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बंकार पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

राहुल गांधी ने एक्स पर हिंदी में लिखा 'महाराष्ट्र के सतारा में बलात्कार और उत्पीड़न से तंग आकर डॉ. संपदा मुंडे की आत्महत्या किसी भी सभ्य समाज की अंतरात्मा को झकझोर देने वाली त्रासदी है। एक होनहार डॉक्टर बेटी, जो दूसरों का दर्द मिटाने की आकांक्षा रखती थी, भ्रष्ट सत्ता और तंत्र में बैठे अपराधियों की प्रताड़ना का शिकार बन गई। जिसे अपराधियों से जनता की रक्षा की ज़िम्मेदारी दी गई थी, उसी ने इस मासूम के खिलाफ़ सबसे घिनौना अपराध किया - उसके साथ बलात्कार और शोषण किया।

महाराष्ट्र के सतारा में बलात्कार और उत्पीड़न से तंग आकर डॉ. संपदा मुंडे की आत्महत्या किसी भी सभ्य समाज की अंतरात्मा को झकझोर देने वाली त्रासदी है।

उन्होंने आगे लिखा कि रिपोर्ट्स के अनुसार, BJP से जुड़े कुछ प्रभावशाली लोगों ने उस पर भ्रष्टाचार का दबाव डालने की कोशिश भी की। सत्ता संरक्षित आपराधिक विचारधारा का ये सबसे घिनौना उदाहरण है। यह आत्महत्या नहीं - संस्थागत हत्या है। जब सत्ता अपराधियों की ढाल बन जाए, तो न्याय की उम्मीद किससे की जाए? डॉ. संपदा की मौत इस BJP सरकार के अमानवीय और संवेदनहीन चेहरे को उजागर करती है। हम न्याय की इस लड़ाई में पीड़ित परिवार के साथ मज़बूती से खड़े हैं। भारत की हर बेटी के लिए - अब डर नहीं, न्याय चाहिए।

घटना के बाद कार्रवाई

पुलिस ने सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदाने को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने शनिवार को आत्मसमर्पण किया। सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बंकार को भी पुणे से पकड़ा गया है। दोनों पर दुष्कर्म और आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज है। पुलिस जांच के दौरान पता चला कि डॉक्टर ने कई बार उत्पीड़न की शिकायत की थी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। परिजनों ने आरोप लगाया कि फळटन के कुछ राजनीतिक लोग मेडिकल रिपोर्ट बदलवाने का दबाव डालते थे। शुक्रवार रात डॉक्टर का अंतिम संस्कार बीड जिले के वडवानी तहसील में किया गया। परिजन आरोपियों के लिए फांसी की सजा की मांग कर रहे हैं।

काकोपथार सेना कैंप हमले का एक आरोप गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

नामसाई। असम के काकोपथार सेना कैंप पर हुए हमले मामले में सुरक्षाबलों को रविवार को बड़ी सफलता मिली है। अरुणाचल प्रदेश के नामसाई जिले में रविवार की सुबह पुलिस और असम राइफल्स की संयुक्त कार्रवाई में यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (आई) यानी उल्फा (आई) से जुड़े एक उग्रवादी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। गिरफ्तार उग्रवादी की पहचान अनुपम दोहतिया उर्फ थौसन असम के रूप में हुई है, जो असम के तिनसुकिया जिले के बरेकुरी गांव का निवासी है। अधिकारियों के अनुसार, वह 17 अक्टूबर को असम के तिनसुकिया स्थित काकोपथार आर्मी कैंप पर हुए उल्फा (आई) हमले में शामिल प्रमुख सदस्यों मेंसे एक है।

सूत्रों के मुताबिक संयुक्त टीम ने आरोपी के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए हैं, जिनमें एक एमक्यू राइफल, 151 जिंदा कारतूस, एक बॉटल ग्रेनेड और एक राइफल ग्रेनेड शामिल है। गिरफ्तार उग्रवादी से नामसाई पुलिस पूछताछ कर रही है ताकि संगठन के अन्य सदस्यों और उनकी आगामी योजनाओं के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। अधिकारियों ने इस अभियान को असम-अरुणाचल सीमा क्षेत्र में सक्रिय उग्रवादी गतिविधियों पर एक बड़ी रणनीतिक सफलता करार दिया है।

मिजोरम के चाम्फाई जिले में असम राइफल्स और राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की संयुक्त टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 9.53 करोड़ रुपए मूल्य का प्रतिबंधित माल जब्त किया है। यह कार्रवाई शनिवार को चाम्फाई के रुआनतलांग इलाके में की गई।

सूत्रों से मिली गुप्त जानकारी के आधार पर यह संयुक्त अभियान चलाया गया। सूचना थी कि भारत-म्यांमार सीमा के पास एक गोदाम में अवैध रूप से आयात किए गए सामान छिपाए गए हैं। तलाशी के दौरान टीम ने फारस्टार किंग साइज सिगरेट के 60 कार्टन और अरेका नट्स (सुपारी) के 1,564 बोरे बरामद किए, जिनकी कुल कीमत लगभग 9..53 करोड़ आंकी गई है।

जब्त किए गए सभी सामानों को आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए कस्टम प्रिवेंटिव फोर्स, चाम्फाई को सौंप दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई असम राइफल्स और डीआरआई के बीच मजबूत समन्वय और साझा खुफिया प्रयासों का नतीजा है, जो सीमा पार होने वाली तस्करी और अवैध व्यापार पर रोक लगाने की दिशा में एक बड़ी सफलता साबित हुई है।

आज देशव्यापी एसआईआर का एलान कर सकता है चुनाव आयोग; 10 से 15 राज्यों में पहले चरण में चलेगा अभियान

नई दिल्ली। चुनाव आयोग सोमवार शाम को एक अहम प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा, जिसमें पूरे देश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की घोषणा की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों की तैयारियों के तहत उठाया जा रहा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में आयोग के अधिकारी प्रक्रिया और पहले चरण के राज्यों की जानकारी साझा करेंगे।

एसआईआर का क्या है उद्देश्य?

विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची में सुधार करना और इसमें नए मतदाताओं का समावेश करना है। इसमें नामों की जांच, पुराने मतदाताओं की पुष्टि, और आवश्यक संशोधन शामिल होंगे। आयोग ने बताया कि यह प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष होगी। एसआईआर के तहत मतदाता सूची में त्रुटियों को दूर कर नए मतदाताओं को शामिल किया जाएगा, जिससे चुनावों में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

ये राज्य पहले चरण में होंगे शामिल

हालांकि, अभी तक पूरी जानकारी

सार्वजनिक नहीं हुई है, लेकिन अधिकारियों के अनुसार पहले चरण में 10 से 15 राज्य शामिल होंगे। इनमें ऐसे राज्य होंगे, जहां 2026 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इन राज्यों में तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, असम और पुद्दुचेरी शामिल हैं। एसआईआर में मतदाता सूची की संपूर्ण समीक्षा की जाएगी और आवश्यक संशोधन किए जाएंगे।

चुनाव आयोग की तैयारियां और महत्व

चुनाव आयोग ने कहा है कि एसआईआर से मतदाता सूची की विश्वसनीयता बढ़ेगी और निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। इस दौरान चुनाव आयोग के अधिकारी विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में जाकर मतदाताओं के रिकॉर्ड की जांच करेंगे। इस पहल से नए मतदाताओं के नाम सूची में शामिल होंगे और मतदाता पहचान में सुधार होगा। यह कदम लोकतंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

आगामी चुनावों पर प्रभाव

विशेष गहन पुनरीक्षण से 2026 के विधानसभा चुनावों और उसके बाद होने वाले लोकसभा चुनावों में मतदाता सूची अधिक सटीक रहेगी। इससे चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और भरोसेमंद होगी। आयोग का लक्ष्य है कि हर योग्य मतदाता मतदान कर सके और किसी भी प्रकार की त्रुटि सूची में न रह जाए। यह कदम भारतीय लोकतंत्र की मजबूती और पारदर्शिता के लिए महत्वपूर्ण है।

बंगाल में एसआईआर से पहले चुनाव आयोग कर सकता ये नियुक्तियां

एक सीनियर अधिकारी ने रविवार को बताया कि चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट के संभावित एसआईआर के दौरान बूथ-लेवल अधिकारियों की मदद के लिए स्वंयसेवकों को नियुक्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि इस काम के लिए स्वंयसेवकों को हर ब्लॉक में सरकारी कर्मचारियों में से चुना जाएगा, और यह काम जल्द ही शुरू हो सकता है। अधिकारी ने बताया, 'यह अभी योजना के चरण में है... ये सहायक बीएलओ को नामांकन फॉर्म भरने में मदद करेंगे और जरूरत पड़ने पर सब्स्टीट्यूट के रूप में भी तैनात किए जा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि इन स्वंयसेवकों को मुख्य रूप से उन पोलिंग स्टेशनों पर तैनात किया जाएगा जहां 1200 से ज्यादा वोटर हैं।

करूर हादसे में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने अपने हाथ में ली जांच, 41 लोगों की गई थी जान

नई दिल्ली। तमिलनाडु के करूर जिले में अभिनेता-राजनेता विजय के रैली के दौरान हुई भयावह भगदड़ की जांच अब केंद्रीय जांच ब्यूरो ने अपने हाथ में ले ली है। इस हादसे में 41 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 60 से अधिक लोग घायल हुए थे। अधिकारियों के अनुसार, सीबीआई की विशेष टीम पहले ही करूर के वेलुसामीपुरम में स्थित हादसे की जगह का दौरा कर चुकी है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद राज्य पुलिस की एफआईआर को सीबीआई ने फिर से दर्ज किया है और स्थानीय अदालत को इसकी जानकारी दी गई है।

यह मामला तमिलगा वेत्री कझगम की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा सीबीआई को सौंपा गया। अदालत ने सीबीआई निदेशक को निर्देश दिया कि वह एक वरिष्ठ अधिकारी को जांच की जिम्मेदारी दें और उसके सहयोग के लिए अन्य अधिकारियों को नियुक्त करें। इसके साथ ही अदालत ने पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज अजय रस्तोगी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय पर्यवेक्षण समिति गठित की है, जो सीबीआई जांच की निगरानी करेगी।

जस्टिस जे.के. महेश्वरी और एन.वी. अंजरिया की बेंच ने कहा कि 27 सितंबर को हुई भगदड़ ने पूरे देश के नागरिकों के मन में गहरी छाप छोड़ी है। अदालत ने कहा यह घटना नागरिकों के जीवन और मौलिक अधिकारों से जुड़ी है, इसलिए निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच बेहद आवश्यक है। बेंच ने यह भी कहा कि कुछ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने मीडिया में गैर-जिम्मेदाराना बयान दिए हैं, जिससे जनता के मन में निष्पक्ष जांच को लेकर संदेह पैदा हो सकता है। अदालत ने जोर देकर कहा कि जनता का विश्वास न्याय व्यवस्था में बहाल रहना चाहिए और इसका एकमात्र तरीका निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करना है।

कैसे बेताब हुई भीड़?

पुलिस अधिकारियों ने आयोजकों से कहा था कि विजय की विशेष रैली बस को निर्धारित स्थान से कम से कम 50 मीटर पहले रोक दें। लेकिन आयोजकों ने तय जगह पर ही बस खड़ी की। पुलिस के अनुसार, '10 मिनट तक नेता बस से बाहर नहीं आए, जिससे भीड़ असंतुष्ट हो गई। लोग उन्हें देखने के लिए बेताब थे।'

5 बच्चों को एचआईवी संक्रमित खून चढ़ा, सीएम ने सिविल सर्जन को किया सस्पेंड

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पश्चिमी सिंहभूम जिले के सिविल सर्जन और कुछ दूसरे अधिकारियों को तुरंत सस्पेंड करने का निर्देश दिया है। यह कार्रवाई थैलेसीमिया से पीड़ित पांच बच्चों को खून चढ़ाने के बाद उनके एचआईवी पॉजिटिव पाए जाने के गंभीर मामले के बाद की गई है।

पहले चाईबासा के लोकल ब्लड बैंक पर एक सात साल के थैलेसीमिया मरीज के परिवार ने एचआईवी संक्रमित खून चढ़ाने का आरोप लगाया था। इसके अगले दिन, रांची से आई एक जांच टीम ने चार और बच्चों को एचआईवी पॉजिटिव पाया, जिससे संक्रमित बच्चों की कुल संख्या पांच हो गई। सात साल के बच्चे को ब्लड बैंक से अब तक करीब 25 यूनिट खून चढ़ाया जा चुका था।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर इस घटना पर कड़ा रुख दिखाते हुए कहा, 'चाईबासा में थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों को एचआईवी संक्रमित खून चढ़ाए जाने की खबर मिलने के बाद, पश्चिमी सिंहभूम के सिविल सर्जन और संबंधित अधिकारियों को सस्पेंड करने का आदेश दिया गया है। राज्य सरकार पीड़ित बच्चों के परिवारों को ?2-2 लाख की आर्थिक मदद देगी और संक्रमित बच्चों के इलाज का पूरा खर्च उठाएगी।'

सात साल के बच्चे के परिवार के आरोपों के बाद, राज्य सरकार ने तुरंत डायरेक्टर डॉ. दिनेश कुमार की अगुआई में पांच डॉक्टरों की एक टीम बनाई। टीम ने सदर अस्पताल के ब्लड बैंक और बच्चों के पीआईयू वार्ड का जायजा लिया।

डॉ. दिनेश कुमार ने कहा कि शुरुआती जांच से पता चला है कि थैलेसीमिया के एक मरीज को खराब खून चढ़ाया गया था। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान ब्लड बैंक में कुछ कमियां मिली हैं, जिन्हें ठीक करने के लिए अधिकारियों को कहा गया है।

'मोदी की गले लगने वाली नीति मलयेशिया में नहीं दिखी', ट्रंप के रूसी तेल वाले दावे पर कांग्रेस का तंज

नई दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि मलयेशिया में अब मोदी की 'हग्लोमैसी' दिखाई नहीं देती। हग्लोमैसी यानी सार्वजनिक रूप से गले लगाकर दोस्ताना कूटनीति दिखाना। कांग्रेस को वो नीति नहीं दिखी। यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने दोहराया कि भारत रूसी तेल की खरीद घटा रहा है। कांग्रेस ने इसे मोदी की विदेश नीति पर अप्रत्यक्ष हमला बताया।

ट्रंप ने शनिवार रात मलयेशिया के रास्ते एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से कहा कि भारत पूरी तरह से रूसी तेल की खरीद बंद कर रहा है। यह दावा उन्होंने कम से कम छठी बार दोहराया। ट्रंप ने कहा कि भारत ने रूस से तेल आयात शून्य तक लाने का वादा किया है। इस पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कोई आश्चर्य नहीं कि आज कुआलालंपुर में मोदी की हग्लोमैसी दिखाई नहीं दे रही है।

मोदी के वर्चुअल शामिल होने पर विपक्ष का निशाना

प्रधानमंत्री मोदी ने मलयेशिया में चल रहे आसियान शिखर सम्मेलन में इस बार वर्चुअल रूप से हिस्सा लेने का फैसला किया है। कांग्रेस का आरोप है कि मोदी ने यह कदम ट्रंप से सीधे मुलाकात से बचने के लिए उठाया। पार्टी ने कहा कि मोदी ट्रंप की हालिया टिप्पणियों से घिरे हुए हैं और आमने-सामने चर्चा में असहज हो सकते थे। कांग्रेस के अनुसार, मोदी का यह रुख भारत की विदेश नीति की अनिश्चित दिशा को दिखाता है।

ट्रंप के दावे और अंतरराष्ट्रीय संदर्भ

ट्रंप ने कहा कि भारत जल्द ही रूस से तेल आयात को लगभग समाप्त कर देगा, लेकिन यह एक प्रक्रिया है और इसमें समय लगेगा। उन्होंने यह भी जोड़ा कि वे चीन को भी ऐसा करने के लिए मनाने की कोशिश करेंगे। ज्ञात हो कि रूस के कच्चे तेल के दो सबसे बड़े खरीदार भारत और चीन हैं। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब वे मलयेशिया में आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे हैं, जहां कई देशों के नेता मौजूद हैं।

भत्ता बढ़ोतरी, पेंशन और बीमा का वादा; पंचायत प्रतिनिधियों को लेकर तेजस्वी की घोषणा

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को कहा कि यदि बिहार में 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनती है, तो पंचायती राज व्यवस्था के निर्वाचित प्रतिनिधियों को दिया जाने वाला भत्ता दोगुना किया जाएगा।

तेजस्वी ने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों को 50 लाख रुपए का बीमा कवर और पेंशन भी प्रदान की जाएगी। बिहार में पंचायती राज व्यवस्था तीन स्तरीय है–जिला परिषद, पंचायत समिति और ग्राम पंचायत। इनके प्रमुखों को क्रमशः 'अध्यक्ष', 'प्रमुख' और 'मुखिया' कहा जाता है।

तेजस्वी ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'अगर इंडिया गठबंधन को सत्ता में आने का जनादेश मिला, तो राज्य में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के डीलरों का मार्जिन मनी प्रति क्विंटल के हिसाब से भी काफी बढ़ाया जाएगा।'

उन्होंने यह भी घोषणा की कि नाई, कुम्हार और बढ़ई समुदाय से जुड़े लोगों को राज्य सरकार की ओर से पांच लाख रुपये तक का ब्याज-मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। बिहार विधानसभा की 243 सीटों पर दो चरणों में छह और 11 नवंबर को मतदान होगा तथा परिणामों की घोषणा 14 नवंबर को की जाएगी।

महिला डॉक्टर आत्महत्या केस में आरोपी सब-इंस्पेक्टर और इंजीनियर गिरफ्तार, न्याय की आस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के सतारा जिले में एक महिला सरकारी डॉक्टर की कथित आत्महत्या के मामले में आरोपी पुलिस सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदाने को शनिवार शाम गिरफ्तार कर लिया गया। इससे कुछ ही घंटे पहले, इस मामले के सह-आरोपी सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बनकर को भी पुणे से गिरफ्तार किया गया था।

डॉक्टर का शव गुरुवार रात फलटण कस्बे के एक होटल के कमरे में फंदे से लटका मिला था। वह मध्य महाराष्ट्र के बीड जिले की रहने वाली थीं और सतारा जिले के एक सरकारी अस्पताल में तैनात थीं।

सुसाइड नोट में डॉक्टर ने लगाए गंभीर आरोप

डॉक्टर ने अपनी हथेली पर लिखे सुसाइड नोट में दो लोगों को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया। डॉक्टर ने पीएसआई गोपाल बदाने पर उसके साथ कई मौकों पर बलात्कार करने का आरोप लगाया। जांच के दौरान नाम सामने आने के बाद सब-इंस्पेक्टर बदाने को सेवा से निलंबित कर दिया गया था।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बनकर पर डॉक्टर ने मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। पुलिस के अनुसार,

बनकर उस घर के मकान मालिक का बेटा है जहां डॉक्टर किराए पर रहती थीं। पुलिस ने बताया कि बनकर ने आत्महत्या करने से पहले कथित तौर पर डॉक्टर को फोन किया था और उससे बातचीत की थी।

सतारा जिले के फलटण में दोनों आरोपियों के खिलाफ बलात्कार और आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है।

सतारा के एसपी तुषार दोशी ने पुष्टि की कि पीएसआई बदाने फलटण ग्रामीण पुलिस स्टेशन पहुंचे और आत्मसमर्पण कर दिया। वहीं, सह-आरोपी प्रशांत बनकर को पुणे से गिरफ्तार करने के बाद सतारा जिला अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे चार दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

शुक्रवार रात डॉक्टर का बीड के वडवानी तहसील स्थित उनके पैतृक निवास पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनके रिश्तेदार इस मामले में आरोपियों के लिए मृत्युदंड की मांग कर रहे हैं। एक रिश्तेदार ने आरोप लगाया कि डॉक्टर ने कई बार उत्पीड़न की शिकायत की थी, लेकिन उनकी शिकायतों का समाधान नहीं किया गया।

एक अन्य रिश्तेदार ने दावा किया कि पीड़िता जिस उप-जिला अस्पताल में काम करती थी, वहां उसे मेडिकल रिपोर्ट बदलने के लिए राजनीतिक लोगों और पीएसआई द्वारा दबाव डाला जाता था, क्योंकि वह नियमित रूप से पोस्टमार्टम ड्यूटी पर रहती थीं। महिला के दो चचेरे भाई, जो खुद भी डॉक्टर हैं, ने आरोप लगाया कि अस्पताल प्रशासन ने उसे परेशान करने के लिए ही पोस्टमार्टम की ड्यूटी सौंपी थी।

भाजपा विधायक सुरेश धास ने मांग की है कि जिस सांसद ने कथित तौर पर महिला डॉक्टर पर दबाव बनाने की कोशिश की थी, उसे भी मामले में आरोपी बनाया जाए, हालांकि उन्होंने किसी नेता का नाम नहीं लिया। परिवार के अनुसार, डॉक्टर एमडी कोर्स करने की तैयारी कर रही थीं और उनके चाचा ने बताया कि एमबीबीएस कोर्स के लिए लिया गया 3 लाख रुपये का कर्ज अभी तक चुकाया नहीं गया था।

नवी मुंबई में नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

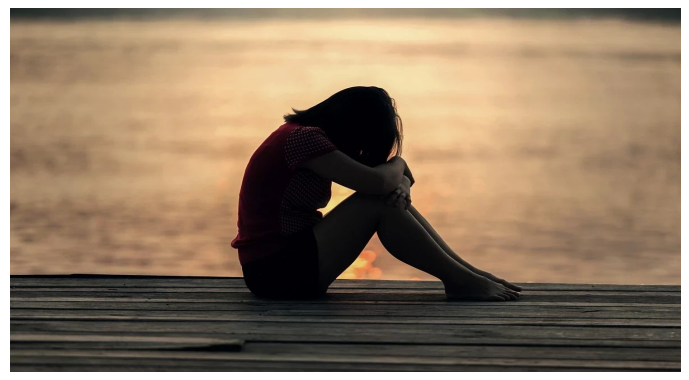

नवी मुंबई में एक नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 54 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। तलोजा पुलिस थाने के अधिकारी ने आरोपी की पहचान पनवेल निवासी विलासराव पाटिल के रूप में की है।अधिकारी ने बताया, आरोपी को शुक्रवार को भारतीय न्याय संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया। आरोपी 23 अक्टूबर को लड़की को पार्किंग के एक अंधेरे कोने में ले गया और उसका यौन उत्पीड़न किया।

नालासोपारा के ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़

मुंबई(संवाददाता) । मुंबई से सटे नालासोपारा (पूर्व) के पेल्हार इलाके में स्थित रशीद कंपाउंड से एक बड़ी ड्रग फैक्ट्री का पर्दाफाश हुआ है। तिलक नगर पुलिस स्टेशन की नारकोटिक्स टीम ने रविवार देर रात यहां छापा मारकर करीब 7 किलो एमडी ड्रग्स और ?1 करोड़ मूल्य का रॉ मटेरियल बरामद किया। इस कार्रवाई में पुलिस ने मौके से 5 पुरुष और 3 महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनसे पूछताछ जारी है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी इस कंपाउंड में लंबे समय से ड्रग्स निर्माण का अवैध धंधा चला रहे थे। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि यहां रासायनिक पदार्थों के ज़रिए एमडी (मेथाड्रोन) तैयार की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने जाल बिछाकर छापा मारा और फैक्ट्री में चल रही गतिविधियों को रंगे हाथों पकड़ लिया।

पुलिस के मुताबिक, जब्त किए गए ड्रग्स की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करोड़ों रुपये बताई जा रही है। पूरी कार्रवाई डीसीपी ज़ोन-6 समीर शेख के मार्गदर्शन में और एसीपी तथा तिलक नगर पुलिस की विशेष नारकोटिक्स टीम की देखरेख में की गई। फिलहाल आरोपीयों से पूछताछ कर यह पता लगाया जा रहा है कि ड्रग्स की सप्लाई किन नेटवर्कों तक होती थी।

औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर अब 'छत्रपति संभाजीनगर' हुआ, दक्षिण मध्य रेलवे ने किया एलान

मुंबई। दक्षिण मध्य रेलवे ने एक ऐतिहासिक घोषणा करते हुए 'औरंगाबाद रेलवे स्टेशन' का नाम बदलकर 'छत्रपति संभाजीनगर रेलवे स्टेशन' कर दिया है। रेलवे ने बताया कि यह नाम परिवर्तन औपचारिक रूप से लागू कर दिया गया है और स्टेशन के सभी साइनबोर्ड, टिकट, घोषणाएं और डिजिटल सिस्टम में नया नाम अपडेट किया जा रहा है।

आधिकारिक नोटिस में लिखा है कि प्राधिकृत अधिकारी द्वारा 'औरंगाबाद' रेलवे स्टेशन नांदेड मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे का नाम बदलकर 'छत्रपति संभाजीनगर' रेलवे स्टेशन करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस स्टेशन का नया स्टेशन कोड 'CPSN' होगा।

रेलवे के मुताबिक, यह फैसला महाराष्ट्र सरकार की अनुशंसा और गृह मंत्रालय की स्वीकृति के बाद लिया गया। स्टेशन का नया नाम छत्रपति संभाजीनगर मराठा योद्धा छत्रपति संभाजी महाराज की वीरता और ऐतिहासिक योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से रखा गया है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इस बदलाव के बाद यात्रियों को स्टेशन से जुड़ी सभी सूचनाएं और टिकटें नए नाम से जारी होंगी। एक अधिकारी ने कहा रेलवे ने सभी जरूरी प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी कर ली हैं। अब सभी प्लेटफॉर्म और ट्रेनों की घोषणाओं में स्टेशन का नाम 'छत्रपति संभाजीनगर' सुनाई देगा।

इससे पहले, केंद्र सरकार ने 2022 में औरंगाबाद शहर का नाम भी छत्रपति संभाजीनगर करने की मंजूरी दी थी। अब रेलवे स्टेशन के नाम परिवर्तन के साथ यह प्रक्रिया पूरी हो गई है।

15 अक्तूबर को जारी हुआ था गजट नोटिफिकेशन

गौरतलब है कि भाजता नेता और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार ने विगत 15 अक्तूबर को इसका नाम बदलने का गजट नोटिफिकेशन जारी किया था। तीन साल पहले तत्कालीन सरकार ने औरंगाबाद शहर का नाम छत्रपति संभाजीनगर किया था। ये फैसला छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र और मराठा राज्य के दूसरे शासक छत्रपति संभाजी के सम्मान में लिया गया।

औरंगाबाद का नाम पहले मुगल सम्राट औरंगजेब के नाम पर रखा गया था। इतिहासकारों के मुताबिक औरंगाबाद रेलवे स्टेशन 1900 में हैदराबाद के सातवें निजाम मीर उस्मान अली खान के शासनकाल में खोला गया था। छत्रपति संभाजीनगर एक पर्यटन केंद्र है और अजंता और एलोरा की गुफाओं सहित कई ऐतिहासिक स्मारकों से घिरा हुआ है, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र की इकाई-यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल का दर्जा दिया है।

मुंबई सेंट्रल पर हरित पहल को मिला नया आयाम ऑर्गेनिक वेस्ट कन्वर्टर मशीन स्थापित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा मुंबई सेंट्रल स्थित मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के स्टाफ कैंटीन में एक ऑर्गेनिक वेस्ट कन्वर्टर मशीन स्थापित की गई है। यह पर्यावरण-संवेदनशील पहल भोजन और रसोई अपशिष्ट के जिम्मेदार प्रबंधन की दिशा में मंडल के प्रयासों में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, जो रेलवे परिसर में स्वच्छ और हरित पर्यावरण को प्रोत्साहित करने की उसकी सतत प्रतिबद्धता को अभिव्यक्त करती है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह पर्यावरण-अनुकूल जैविक अपशिष्ट परिवर्तक मशीन, रेलवे परिसर में खाद्य अपशिष्ट को कम करने और एक हरित एवं अधिक पर्यावरण-अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की पश्चिम रेलवे की प्रतिबद्धता को बढ़ावा देगी। यह जैविक अपशिष्ट परिवर्तक पूरी तरह से स्वचालित, कॉम्पैक्ट और स्टेनलेस स्टील से बना है, जिसे कैंटीन से निकलने वाले गीले और रसोई के

कचरे को संसाधित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इन-वेसल डिहाइड्रेशन तकनीक का उपयोग करते हुए, यह मशीन जैविक कचरे को मिट्टी के पूरक या कम्पोस्टेबल बायोमास में बदल देती है, जिसका उपयोग कार्यालय परिसर में बागवानी और भूनिर्माण के लिए किया जा सकता है।

यह उन्नत कनवर्टर बिना किसी अतिरिक्त पदार्थ (जैसे चूरा या बैक्टीरिया) के काम करता है। यह गंध नियंत्रण, प्रेशर सील प्रोसेसिंग और शून्य गैस उत्सर्जन जैसी सुविधाओं से लैस है, जिससे निकास या जल निकासी प्रणाली की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। यह मशीन विभिन्न प्रकार के कचरे, जैसे कि रसोई के कचरे, बेकरी के सामान, टिशू पेपर और बगीचे के कचरे को संभालने में सक्षम है, जिससे कुशल और स्वच्छ अपशिष्ट प्रबंधन सुनिश्चित होता है।

इस अभिनव आंतरिक समाधान को लागू करके, पश्चिम रेलवे ने बाहरी कचरा संग्रहण सेवाओं पर अपनी निर्भरता सफलतापूर्वक समाप्त कर दी है और अपने कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी की है। यह पहल भारतीय रेल के पर्यावरणीय स्थिरता, आत्मनिर्भरता और संसाधन संरक्षण के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है। पश्चिम रेलवे इस उपलब्धि के साथ स्वच्छ, हरित और अधिक टिकाऊ पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है तथा रेलवे नेटवर्क में पर्यावरण के प्रति जागरूक परिचालन के लिए एक उदाहरण स्थापित करती है।

जोगेश्वरी के बाद अब कांदिवली में ऊंची इमारत में लगी आग; आठ लोग बचाए गए, तीन का ICU में इलाज जारी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मुंबई के कांदिवली पश्चिम इलाके में रविवार सुबह एक ऊंची इमारत के फ्लैट में आग लगने की घटना हुई। इस हादसे में आठ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि तीन लोगों को धुएं से दम घुटने के कारण आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

फ्लैट के हॉल में लगी थी आग

यह आग शंकर लेन स्थित 16 मंजिला 'अग्रवाल रेजीडेंसी' इमारत के दूसरे फ्लोर पर बने एक फ्लैट में सुबह करीब 7 बजकर 45 मिनट पर लगी। दमकल विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, आग फ्लैट के हॉल में लगी थी और यह बिजली की वायरिंग, लकड़ी के फर्नीचर और अन्य घरेलू सामान तक सीमित थी। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया और यह पूरी तरह 8 बजकर 5 मिनट पर बुझा दी गई।

दो पुरुष, तीन महिलाएं और तीन बच्चे बचाए गए

दमकलकर्मियों ने इमारत से आठ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इनमें दो

पुरुष, तीन महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं। दमकल विभाग के अधिकारी ने बताया कि चिंतन अभय कोठारी, ख्याति चिंतन कोठारी और ज्योति अभय कोठारी को धुएं के कारण सांस लेने में तकलीफ हुई, जिसके चलते उन्हें मलाड (पश्चिम) के टुंगा अस्पताल में आईसीयू में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, तीनों की हालत स्थिर है।

पांच लोगों को सांस लेने में हुई दिक्कत

बाकी पांच लोगों- पार्थ कोठारी, ऋद्धि पार्थ कोठारी, आयरा पार्थ कोठारी, प्रांज पार्थ कोठारी और महावीर चिंतन कोठारी को हल्की सांस लेने में दिक्कत हुई थी। इन्हें प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। फिलहाल हालात नियंत्रण में हैं।

दो दिन पहले जोगेश्वरी में बहुमंजिला इमारत में लगी थी आग

इससे पहले गुरुवार को मुंबई के पश्चिमी उपनगर जोगेश्वरी पश्चिम में एक बहुमंजिला व्यावसायिक इमारत में आग लग गई थी। जानकारी के मुताबिक, गांधी स्कूल के पास जेएनएस बिजनेस सेंटर में सुबह करीब 10.50 बजे लगी थी, हालांकि इस घटना में कोई भी हताहत नहीं हुआ था।

6 महीने पहले शुरू की फैक्ट्री, कर लिया करोड़ों के ड्रग्स का कारोबार, पालघर पुलिस ने 5 आरोपियों को पकड़ा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के पालघर जिले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है, जहां उन्होंने 6 महीने से गुप्त रूप से नशीला पदार्थ बनाने वाली एक फैक्ट्री पर छापा मारा. इस कार्रवाई में पुलिस ने लगभग ?13 करोड़ 45 लाख 43 हजार की एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग और कच्चा माल बरामद किया गया है।

मामले में पुलिस ने पालघर के नालासोपारा (पूर्व) के पेल्हार इलाके में स्थित रशीद कंपाउंड से एक बड़ी ड्रग फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। यहां रविवार की देर रात तिलक नगर पुलिस स्टेशन की नारकोटिक्स टीम ने छापा मारकर करीब 7 किलो एमडी ड्रग्स और 1 करोड़ रुपये का रॉ मटेरियल बरामद किया। इस कार्रवाई में पुलिस ने मौके से 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनसे पूछताछ जारी है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी इस कंपाउंड में लंबे समय से ड्रग्स निर्माण का अवैध धंधा चला रहे थे। मामले में पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि यहां रासायनिक पदार्थों के ज़रिए एमडी (मेथाड्रोन) तैयार की जा रही है. सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने जाल बिछाकर छापा मारा

और फैक्ट्री में चल रही गतिविधियों को रंगे हाथों पकड़ लिया।

जब्त हुई करोड़ों का माल

इस दौरान फैक्ट्री से भारी मात्रा में एमडी ड्रग और उसके उत्पादन में इस्तेमाल होने वाला रसायन जब्त किया गया. पुलिस ने मौके से कई उपकरण, रासायनिक सामग्री और नशीले पदार्थ बनाने के सामान बरामद किया है. पुलिस के मुताबिक, जब्त किए गए ड्रग्स की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करोड़ों रुपये बताई जा रही है.

यह कार्रवाई डीसीपी ज़ोन-6 समीर शेख के मार्गदर्शन में और एसीपी तथा तिलक नगर पुलिस की विशेष नारकोटिक्स टीम की देखरेख में की गई। फिलहाल आरोपीयों से पूछताछ कर इनके नेटवर्क के बारे में पता लगाने की कोशिश कर रही है।

5 आरोपी गिरफ्तार

कार्रवाई में फैक्ट्री के संचालक और उसके सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है. अब तक कुल 05 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं, ड्रग्स की बिक्री और उत्पादन में शामिल 04 आरोपी अभी फरार बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश जारी है. पुलिस ने बताया कि यह फैक्ट्री टोल्किन नाम के परिसर में चल रही थी, जहां पर एमडी (मेफेड्रोन) का उत्पादन कर उसे इसे कई राज्यों में सप्लाई किया जा रहा था।

सस्ती दर पर अमेरिकी डॉलर देने का झांसा देकर एक व्यक्ति से तीन लाख रुपये की ठगी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई निवासी एक व्यक्ति को सस्ती दर पर अमेरिकी डॉलर देने का झांसा देकर तीन लोगों ने उससे कथित तौर पर तीन लाख रुपये ठग लिए। नवी मुंबई पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

रबाले पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि जालसाजों ने 18 से 20 अक्टूबर के बीच अलग-अलग मोबाइल नंबरों से मुंबई के कांदिवली निवासी 33 वर्षीय व्यक्ति से संपर्क किया और उसे सस्ती दरों पर अमेरिकी डॉलर देने

की पेशकश की।

अधिकारी ने बताया कि उन्होंने नवी मुंबई के घणसोली इलाके में पीड़ित से तीन लाख रुपये लिए लेकिन वादे के अनुसार उसे अमेरिकी डॉलर नहीं दिए। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस से संपर्क किया। शिकायत के आधार पर 23 अक्टूबर को नवी मुंबई में रबाले पुलिस थाना में तीनों जालसाजों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 381(4) (धोखाधड़ी) और 3(5) (सामान्य इरादा) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले में जांच जारी है।

महाराष्ट्र में फिर से बारिश, कई जिलों में भारी बारिश

मुंबई(संवाददाता) । महाराष्ट्र में पहले ही भारी बारिश हो चुकी है, राज्य के किसान भारी बारिश से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, खेती को भारी नुकसान हुआ है। लेकिन अब, जब ऐसा लग रहा है कि बारिश का मौसम खत्म हो गया है, बारिश फिर से ज़ोरदार तरीके से आ गई है। पिछले 24 घंटों में राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई है, इस बारिश ने किसानों पर भारी असर डाला है। आइए जानें कि राज्य में कहाँ-कहाँ बारिश हुई है।

मुंबई और उसके उपनगरों में दिन भर बादल छाए रहे, जिसके बाद मुंबई के कुछ हिस्सों में बारिश हुई। अचानक हुई बारिश से मज़दूर वर्ग खुश नज़र आया। मुंबई के उपनगरों, बोरीवली, कांदिवली, मलाड, गोरेगांव और अंधेरी इलाकों में कुछ देर तक

भारी बारिश हुई।

इस बीच, आठ दिनों के अंतराल के बाद आज मीरा-भायंदर में एक बार फिर भारी बारिश हुई। दोपहर से ही रिमझिम बारिश जारी है। बारिश ने हवा में ठंडक पैदा कर दी है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

लगातार तीसरे दिन जलगाँव शहर और जिले के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई है। जलगाँव शहर में आज दिन भर धूप-छाँव का खेल चलता रहा, लेकिन शाम लगभग 7:30 बजे अचानक भारी बारिश शुरू हो गई। जलगाँव तालुका समेत कई इलाकों में हुई इस बारिश ने कपास किसानों को भारी नुकसान पहुँचाया है।

नंदुरबार जिले में भी आज भारी बारिश हुई है। नंदुरबार जिले में लगातार दूसरे दिन भारी बारिश हुई, जिससे किसानों को भारी नुकसान होगा। मानसून का मौसम खत्म होने के बावजूद, जिले में भारी बारिश जारी है। जिले में जारी बारिश से किसान चिंतित हैं। एक ओर जहाँ फसलों का दाम नहीं मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर बारिश से फसलों को नुकसान हो रहा है, जिससे किसान बड़ी मुसीबत में हैं। राज्य के कई हिस्सों में बारिश जारी रहने से किसानों पर इसका बुरा असर पड़ेगा। इस बीच, राज्य में कुछ और दिनों तक बारिश का अनुमान है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 1,352 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया

नाइकबंबावाड़ी औद्योगिक क्षेत्र में 'मेगा प्रोजेक्ट' की सौगात- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने फलटण में नीरा देवघर परियोजना की दाहिनी मुख्य नहर के दूसरे चरण का उद्घाटन किया और 1,352 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का ऑनलाइन शिलान्यास और लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आश्वासन दिया कि फलटण शिंगणापुर रोड पर नाइकबंबावाड़ी स्थित महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम कॉलोनी में एक बड़ी (मेगा) औद्योगिक परियोजना की सौगात दी जाएगी और तालुका व आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न विकास कार्य शुरू किए जाएँगे।

वे फलटण में आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम और किसान सम्मेलन में बोल रहे थे। इस अवसर पर पालकमंत्री शंभूराज देसाई, लोक निर्माण मंत्री श्रीमंत छत्रपति शिवेंद्रसिंह राजे भोसले, ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री जयकुमार गोरे, जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दीपक कपूर, पूर्व सांसद रणजीतसिंह नाइक निंबालकर आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने फलटण को ऐतिहासिक और सांस्कृतिक भूमि बताते हुए कहा कि सरकार ने इस क्षेत्र को सूखा मुक्त बनाने के लिए नीरा देवघर नहर के निर्माण कार्य में आ रही कठिनाइयों को दूर करते हुए कार्य प्रारंभ किया है और फलटण तथा मालशिरस को इस परियोजना से पानी उपलब्ध कराना संभव बनाया है। सूखे का चित्रण जनदेश के साहित्य में देखने को मिलता है, सरकार ने इस सूखे को दूर करने का कार्य किया है और सभी कार्य पूर्ण

होने के बाद, एक हरा-भरा जनदेश बनाने के प्रयास जारी हैं।

सूखा मुक्त ही एकमात्र आकांक्षा

मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने कहा कि नीरा देवघर, जिहे कटापुर, तेंभू उपसा योजना के विभिन्न चरणों के माध्यम से सूखा प्रभावित तालुकाओं को पानी उपलब्ध कराया गया है। सांगोलिया जैसे सूखा प्रभावित इलाकों में पानी पहुँचाया गया है। मालशिरस तालुका के पानी से वंचित 22 गाँवों को पानी उपलब्ध कराया जाएगा। नीरा देवघर परियोजना में तीन लिफ्ट सिंचाई योजनाओं को संशोधित प्रशासनिक स्वीकृति दी जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार इस क्षेत्र के विकास और सूखा राहत के लिए यहाँ के लोगों के साथ है।

फलटण क्षेत्र का व्यापक विकास किया जाएगा

मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने आगे कहा कि जिले में उपलब्ध सभी सुविधाएँ फलटण शहर में आ गई हैं। प्रशासनिक भवन, पुलिस स्टेशन, न्यायालय आदि के माध्यम से नागरिकों का जीवन आसान बनाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यहाँ विभिन्न विकास कार्यों को बढ़ावा दिया जाएगा।

पड़ेगाँव - साखरवाड़ी - जिंटी - फलटण - शिंगणापुर सड़क का निर्माण महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम के माध्यम से किया जाएगा। अमृत 2 में मानगंगा नदी को शामिल किया जाएगा और फलटण में न्यायालय के लिए एक अलग भवन का निर्माण किया जाएगा। फलटण में हवाई अड्डे के संबंध में एक सर्वेक्षण किया जाएगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि फलटण के अस्पताल की सुविधाओं को अद्यतन किया जाएगा।

सरकार आम आदमी और किसानों के कल्याण के लिए काम कर रही है। इसलिए, लड़की बहन योजना और किसानों के बिजली बिल माफ़ी जैसी योजनाएँ जारी रहेंगी। सौर ऊर्जा परियोजना के पूरा होने के बाद, किसानों को दिन में मुफ़्त बिजली दी जाएगी। साथ ही, राज्य की सभी लिफ्ट सिंचाई योजनाओं को सौर ऊर्जा में परिवर्तित किया जाएगा, मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने कहा।

ग्रामीण विकास मंत्री जयकुमार गोरे ने कहा कि सरकार ने फलटण क्षेत्र को सूखा मुक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय और परियोजनाएँ ली हैं। इससे मान, खटाव और फलटण क्षेत्रों में सूखा समाप्त हो जाएगा। नीरा देवधर परियोजना की दाहिनी नहर का काम शुरू हो गया है। कई योजनाएँ चल रही हैं और इससे फलटण के विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने कहा कि उद्योग, परिवहन आदि क्षेत्रों में भी विकास को बढ़ावा मिला है।

विधायक सचिन पाटिल ने अपने भाषण में बताया कि फलटण तालुका में कई विकास कार्य किए जा रहे हैं।

पूर्व सांसद रणजीतसिंह नाइक निंबालकर ने तालुका और क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों की जानकारी दी।

कार्यक्रम की शुरुआत में ज़िला कलेक्टर संतोष पाटिल ने उद्घाटन और लोकार्पण किए जाने वाले विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी दी। 1,400 करोड़ रुपये के इन विकास कार्यों से यहाँ कृषि और औद्योगिक क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नीरा देवधर दाएँ नहर के दूसरे चरण के कार्य से 12,000 हेक्टेयर क्षेत्र में कृषि को लाभ होगा और किसानों के जीवन में समृद्धि आएगी।

कार्यक्रम में कृष्णा घाटी विकास निगम के उपाध्यक्ष महेश शिंदे, विधायक सचिन पाटिल, मनोज घोरपड़े, अतुल भोसले, राहुल कुल, संभागीय आयुक्त डॉ. चंद्रकांत पुलकुंडवार, कोल्हापुर क्षेत्र के विशेष पुलिस महानिरीक्षक सुनील फुलारी, सातारा जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी यशनी नागराजन, पुलिस अधीक्षक तुषार दोशी, पूर्व विधायक राम सातपुते आदि उपस्थित थे।

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने किया देशभर में एसआईआर का समर्थन, राहुल गांधी पर किया तंज

मुंबई(संवाददाता) । भारत निर्वाचन आयोग सोमवार को देशभर में वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण की घोषणा करेगा. दिल्ली के विज्ञान भवन में शाम 4:15 बजे चुनाव आयोग एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करेगा. जिसमें मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधु और विवेक जोशी के नेतृत्व में पूरी जानकारी दी जाएगी. माना जा रहा है कि चुनाव आयोग देश के 10 से 15 राज्यों में एसआईआर करा सकता है और कल इसकी घोषणा हो सकती है। वहीं इसको लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का बयान सामने आया है। सीएम ने एसआईआर का समर्थन किया है। पत्रकारों से बात करते हुए सीएम ने कहा कि वो इसका स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी लगातार ये मांग रही है. उन्होंने कहा कि साल 2012 में उन्होंने खुद इसके लिए हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की थी, क्योंकि हमारे देश में पिछले 25 सालों में हम लोग संक्षिप्त पुनरीक्षण कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि मतदाताओं की जो सूची बनाई जाती है उसमें संक्षिप्त पुनरीक्षण किया जाता है संपूर्ण पुनर्निरीक्षण नही किया जाता. उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि आने वाले दिनों में मतदाता सूची को ब्लॉक चैन के रूप में बनाया जाए।

वहीं राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए सीएम फडणवीस ने कहा कि राहुल जो ट्वीट करते है उन्हें भी इसकी जानकारी नहीं होती कि वो क्या ट्वीट कर रहे है. उन्होंने कहा कि जो फलटण की घटना है, साफ है कि जिस महिला डॉक्टर ने सुसाइड किया हा उसने अपने हाथ पर जो लिखा है उससे मामला स्पष्ट हुआ है, जिसके आधार पर गिरफ्तारी हुई है। उन्होंने कहा कि हमने साफ कहा कि इस मामले में किसी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि आजकल राहुल गांधी और उनकी पार्टी के लोग ऐसे संवेदनशील मामलों में भी अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकना नहीं भूलते, ये बेहद दुख की बात है।

दरअसल कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने महिला डॉक्टर की आत्महत्या को संस्थागत हत्या करार देते हुए रविवार को कहा कि यह घटना बीजेपी नीत सरकार के अमानवीय और असंवेदनशील रवैये को उजागर करती है। सतारा जिले के एक सरकारी अस्पताल में कार्यरत महिला डॉक्टर का शव गुरुवार रात फलटण कस्बे के एक होटल के कमरे में फंदे से लटका मिला था। मृतक ने अपनी हथेली पर लिखे सुसाइड नोट में आरोप लगाया था कि पुलिस उपनिरीक्षक गोपाल बदाने ने कई बार उसके साथ बलात्कार किया, जबकि सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बनकर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था।

वहीं उपनिरीक्षक और इंजीनियर को बीते शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। सीएम फडणवीस ने कहा कि वह अपनी छोटी बहन को न्याय दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने इस घटना को बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताया. उन्होंने कहा कि जब तक न्याय नहीं मिल जाता, वो चैन से नहीं बैठेंगे। सीएम ने आरोप लगाया कि इस घटना को अनावश्यक रूप से राजनीतिक रंग दिया जा रहा है।

इस साल कार्तिक वार से विट्ठल महापूजा में नई परंपरा? सरकार ले सकती है बड़ा फैसला

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। पंढरपुर में इस समय कार्तिक वार की तैयारियाँ चल रही हैं। आषाढ़ी वार पर विट्ठल रुक्मिणी की महापूजा का सम्मान मुख्यमंत्री को दिया जाता है, जबकि कार्तिक वार पर विट्ठल की महापूजा का सम्मान उपमुख्यमंत्री को दिया जाता है। हालाँकि, इस साल से एक और नई परंपरा शुरू होने की संभावना है। कार्तिक वार की पृष्ठभूमि में हाल ही में यात्रा तैयारियों की समीक्षा बैठक हुई और इस बैठक में एक बड़ा फैसला लिया गया।

आषाढ़ी वार पर विट्ठल की महापूजा का सम्मान मुख्यमंत्री को दिया जाता है, जबकि कार्तिकी वार की महापूजा का सम्मान उपमुख्यमंत्री को दिया जाता है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के साथ, इस महापूजा का सम्मान वारकरी प्रथम व्यक्ति को भी मिलता है। हालाँकि, अब इस महापूजा में वारकरी के साथ दो जिला परिषद स्कूलों के छात्रों को भी शामिल करने की योजना है, यात्रा तैयारी बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया है। शिक्षा मंत्री दादा भुसे ने इस वर्ष से यह नई प्रथा शुरू करने के निर्देश दिए हैं। इस बीच, अब सबकी नज़र इस बात पर है कि मंदिर समिति और सरकार इस संबंध में क्या निर्णय लेती है।

इस वर्ष कार्तिक वारी महापूजा का संचालन उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे करेंगे। वारकरी भी इस महापूजा में भाग लेते हैं, और क्या अब छात्र भी इसमें शामिल होंगे? यह देखना महत्वपूर्ण होगा।

शिक्षा मंत्री दादा भुसे और परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की उपस्थिति में कार्तिक यात्रा तैयारी बैठक हुई। इस अवसर पर पंढरपुर और मंगलवेढ़ा विधायक समाधान अवताड़े और माढ़ा विधायक अभिजीत पाटिल सहित सभी अधिकारी और वारकरी प्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्तिक एकादशी के अवसर पर पंढरपुर आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा न हो, इसके लिए राज्य भर से 1150 अतिरिक्त बसें चलाने की योजना बनाई गई है, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने इसकी जानकारी दी है।

'पैर लड़खड़ाने लग गए हैं', डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के दिल्ली दौरे पर संजय राउत ने कसा तंज

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में शिवसेना नेता संजय राउत ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर सामना में लेख के जरिए तीखा वार किया है, जिसमें उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में सिम्बल और बहुमत की सुनवाई से पहले वे दिल्ली अपने मालिकों के पास भाग जाते हैं. राउत ने शिंदे गुट को चुराया हुआ दल करार दिया और संविधान और न्याय व्यवस्था पर सवाल उठाए। संजय राउत ने आगे लिखा कि अब एकनाथ शिंदे के पैर लड़खडाने लग गए हैं, इसलिए वे बार-बार दिल्ली भाग रहे हैं. तंज कसते हुए शिंदे की तुलना अन्य राज्यों के नेताओं से करते हुए बताया कि जैसे चंद्रबाबू नायडू अपने राज्यों में बैठकर फैसला लेते हैं लेकिन शिंदे के मालिक दिल्ली में बैठे हैं. संजय राउत का इशारा नरेंद्र मोदी और अमित शाह पर था।

राउत ने दावा करते हुए लिखा कि उन्होंने पार्टी और बहुमत दोनों चुराए हैं और अब बार-बार दिल्ली के चक्कर लगा रहे हैं. शिंदे गुट सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष नहीं रख पाएगी. और अगर ऐसा हुआ तो न्याय व्यवस्था से लोगों का विश्वास डगमगा जाएगा. दुनिया भारतीय संविधान पर सवाल उठा रही है, क्यूंकि एक चुराए हुए दल को सभी अधिकार दिए जा रहे हैं. फिर भी हमें नयायपालिका पर विश्वास है.

शिंदे गुट की बीजेपी में विलय की नौबत

महाराष्ट्र में सीट बंटवारे पर राउत ने शिंदे पर 50-50 सीट फार्मूले पर जोरदार हमला बोला कि एकनाथ शिंदे के पास मुंबई में क्या है? बीजेपी उन्हें इतनी सीटें कभी नहीं देने वाली. यही नहीं राउत ने दावा किया कि शिंदे गुट के पास अब कोई 'पार्टी' बची ही नहीं है, और अंततः उन्हें अपना गुट बीजेपी में विलय करना पड़ेग. शिंदे गुट अब बीजेपी का अंगवस्त्र है मात्र।

संजय राउत ने शिंदे की बयानबाजी को 'बेडूक' (ढोल-नगाड़े जैसी) बताते हुए कहा कि एकनाथ शिंदे की बेडूक अब शुरू हो गई है. अब अदालत को न्याय करना होगा। उन्होंने जोड़ा कि मोदी-शाह के सामने शिंदे जितनी भी छाती ठोकते हों, लेकिन अंदर की चर्चाएं सबको पता हैं.

फलटण दौरे पर उठाए सवाल

महाराष्ट्र के फलटण दौरे पर संजय राउत ने इसे 'निर्जला पणा' (बिना

आत्मा का दिखावा) कहा. उन्होंने कहा कि जो खुद को गृहमंत्री मानते हैं (इशारा अमित शाह की ओर), उनके मन में कुछ और चल रहा है, इसलिए मंच साझा नहीं किया गया।

नवंबर को बड़ा मोर्चा-अडानी पर हमला

संजय राउत ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए लिखा कि पूरे देश को अडानी के हवाले कर दिया है, यही नहीं बजट भी अडानी के हाथों में दे दिया गया है. कांग्रेस की वोटर लिस्ट की जांच की मांग का समर्थन करते हुए राउत ने कहा कि हमने आवाज उठाई है और चुनाव आयोग की इसकी जांच करनी चाहिए, महाराष्ट्र से इसकी शुरुआत करनी चाहिए।

राउत ने बताया कि एक नवम्बर को मुंबई में बड़ा मोर्चा (रैली) निकाला जाएगा। इसमें कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट), महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे), शेतकरी कामगार पक्ष, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, समाजवादी पार्टी सहित कई दल शामिल होंगे. यह मोर्चा फैशन स्ट्रीट से शुरू होकर मेट्रो सिनेमा होते हुए मुंबई महानगरपालिका तक जाएगा. वहां प्रमुख नेताओं के भाषण होंगे, और उसके बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी।

शिखर सम्मलेन में मोदी के न जाने पर कटाक्ष

संजय राउत ने पीएम मोदी पर कटाक्ष करते हुए लिखा कि मोदी जी तो बहुत महत्वपूर्ण विदेशी दौरे करते हैं, तो उन्हें इस शिखर सम्मेलन में भी उपस्थित रहना चाहिए था. लेकिन उन्हें बिहार का चुनाव ज्यादा महत्वपूर्ण लग रहा है।

बालासाहेब की शिवसेना मोदी-शाह नहीं चुरा सकते

संजय राउत ने शिवसेना के अस्तित्त्व को लेकर लिखा कि बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना को नरेन्द्र मोदी और अमित शाह की सौ पीढ़ियां भी नहीं चुरा सकतीं। यही नहीं राउत ने शिंदे गुट को 'चुराया हुआ' बताते हुए शिवसेना की असली विरासत को बचाने का संकल्प जताया है।

शिंदे गुट के नेता ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, केंद्रीय मंत्री मुरलीधर मोहोल के इस्तीफे की मांग

पुणे । पुणे में जैन बोर्डिंग जमीन विवाद को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है. शिवसेना (शिंदे गुट) नेता और पूर्व विधायक रवींद्र धांगेकर ने इस विवाद को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने इस जमीन बिक्री के सौदे को तत्काल रद्द करने और पूरे प्रकरण की सख्त जांच कराने की मांग की है।

शिवसेना (शिंदे गुट) नेता और पूर्व विधायक रवींद्र धांगेकर ने अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट पर लिखा कि वे 27 अक्टूबर 2025 से जैन बोर्डिंग परिसर में अनिश्चितकालीन धरना आंदोलन पर बैठेंगे. उन्होंने कहा कि जब तक यह सौदा रद्द नहीं होता, तब तक वे और समस्त पुणेकर आंदोलन जारी रखेंगे।

धंगेकर ने बताया कि पिछले 18 दिनों से इस सौदे के खिलाफ चल रहे संघर्ष में उन्हें कई लोगों से ठोस सबूत मिले हैं, जो इस बात की ओर इशारा करते हैं कि इस सौदे से जुड़ी कंपनियां और व्यक्ति केंद्र की मोदी सरकार में मंत्री मुरलीधर मोहोल से संबंधित हैं।

प्रधानमंत्री और अन्य नेताओं को भेजा पत्र- रविंद्र धंगेकर

रविंद्र धंगेकर ने अपने बयान में कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ केंद्रीय गृह एवं सहकार मंत्री, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को भी इस पत्र की प्रतियां भेजी हैं. उन्होंने सभी से अपील की है कि वे इस प्रकरण में हस्तक्षेप करें और अपने विशेषाधिकार का उपयोग करते हुए जैन बोर्डिंग की जमीन बिक्री का सौदा तुरंत रद्द करें।

निष्पक्ष जांच और मंत्री के इस्तीफे की मांग

धंगेकर ने आरोप लगाया कि यह पूरा सौदा केंद्रीय मंत्री मुरलीधर मोहोल के पद के प्रभाव में हुआ है. उन्होंने कहा कि जब तक मोहोल अपने पद पर बने रहेंगे, तब तक निष्पक्ष जांच संभव नहीं है। इसलिए उन्होंने मांग की है कि मुरलीधर मोहोल को अपने मंत्री पद से तत्काल इस्तीफा देना चाहिए।

मंदिरों की जमीनों पर कब्जा करने वाले गिरोह पर सख्त कार्रवाई हो

धंगेकर ने अपने बयान में यह भी कहा कि यह केवल एक सौदे का मामला नहीं है, बल्कि समाज की मंदिरों और देवस्थान की जमीनों पर कब्जा करने वाले गिरोह की गतिविधियों का हिस्सा है। उन्होंने मांग की कि ऐसे गिरोहों पर सख्त कार्रवाई हो और दोषियों को बेनकाब किया जाए।

उन्होंने अंत में कहा कि यह आंदोलन केवल जैन बोर्डिंग के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज की आस्था और पारदर्शिता के लिए है. जब तक न्याय नहीं मिलेगा, तब तक संघर्ष जारी रहेगा।

'मुरलीधर मोहोल पर भरोसा नहीं', जैन मुनि ने लिया सबसे बड़ा फैसला

पुणे । पुणे में जैन बोर्डिंग की ज़मीन के कथित गबन का मामला गरमा गया है। पुणे के सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल पर इस मामले में गंभीर आरोप लग रहे हैं। मोहोल पर इस मामले में शामिल होने का आरोप लगाया जा रहा है। हालाँकि, मोहोल ने जैन मुनि से मुलाकात की और मैंने बार-बार सबूतों के साथ स्पष्ट किया है कि मैं इसमें शामिल नहीं हूँ। मैंने कहा था कि मैं आपको न्याय दिलाऊँगा, यह मामला कुछ ही दिनों में खत्म हो जाएगा। इसके बाद, जैन मुनि ने अब इस मुद्दे पर आक्रामक रुख अपनाया है। आइए जानते हैं इस बारे में विस्तार से।

हमें मोहोल पर भरोसा नहीं, कल पूरा देश...

जैन मुनि ने आज पुणे में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस मौके पर उन्होंने सबसे बड़ा फैसला लेते हुए कहा, 'मंत्री और सांसद मोहोल ने यहाँ का दौरा किया है और कहा है कि मैं आपकी समस्या का समाधान करूँगा, लेकिन समाज को उन पर भरोसा नहीं है। इसलिए कल (27) पूरे देश में मौन मार्च निकाला गया है।' हम गाँवों में मार्च निकालेंगे और अधिकारी बयान देंगे।

रवींद्र धांगेकर के बारे में बोलते हुए, जैन मुनि ने कहा कि अगर कोई बिल्ली नाचती भी है, तो उसका वीडियो राष्ट्रीय मीडिया पर आ जाता है, लेकिन महावीर स्वामी का मंदिर बिक जाए, तो भी राष्ट्रीय मीडिया चुप रहता है। राज्य के चैनल अच्छा काम कर रहे हैं। धांगेकर आंदोलन को लेकर उत्साहित हैं। उनका उत्साह अच्छा है। कोई समझौता नहीं हुआ है, इसे किसी निश्चित तिथि से पहले रद्द नहीं किया गया है, हम मिलकर विरोध करेंगे। उन्हें अलग-अलग विरोध नहीं करना चाहिए।

मुरलीधर मोहोल ने क्या कहा?

जैन मुनि से मुलाकात के बाद बोलते हुए, मुरलीधर मोहोल ने कहा था, 'मुझ पर इस मामले में शामिल होने का आरोप लगाया जा रहा है, या मेरा कोई इसमें शामिल है। लेकिन मैंने बार-बार सबूतों के साथ स्पष्ट किया है कि मैं इसमें शामिल नहीं हूँ। हर समुदाय के गुरु होते हैं, वे सभी के लिए पूजनीय हैं। मैं यहाँ उनके दर्शन करने आया हूँ। अगर मैं दोषी होता, तो मैं यहाँ नहीं आता। इन सभी मुद्दों पर राजनीति हुई है, व्यक्तिगत राजनीति के कारण ये सब हुआ है, मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि इस मामले में उचित न्याय होगा। मैं आपको न्याय दिलाऊँगा, कुछ ही दिनों में ये मुद्दा खत्म हो जाएगा, ये मुद्दा आपकी इच्छा के अनुसार खत्म होगा। प्यार का जवाब प्यार से मिलता है, आपने मुझे जनप्रतिनिधि और सांसद चुना है। मैं इस मुद्दे को खत्म करने के लिए स्टैंड लेने आया हूँ।

पेटू लोगों की थाली से मछली गायब, सुरमई-पपलेट के दाम आसमान पर, सुनकर मुँह में पानी आ गया

मुंबई(संवाददाता) । रविवार को मछली प्रेमियों का पसंदीदा दिन कहा जाता है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से मछली बाज़ार की शान माने जाने वाले मछली पकड़ने के कारोबार को भारी झटका लगा है। अरब सागर में तूफ़ान जैसी स्थिति ने कोंकण तट पर मछली पकड़ने के कारोबार को ठप्प कर दिया है। पिछले आठ दिनों से समुद्र में कोई नाव न जाने से मछलियों की आवक पूरी तरह से ठप्प हो गई है। जिससे बाज़ार में मछलियों की आवक पूरी तरह से ठंडी पड़ गई है। फ़िलहाल मछलियों के दाम सामान्य दरों की तुलना में दोगुने से तीनगुने तक बढ़ गए हैं, जिससे मछली खरीदने आए पेटू लोग काफ़ी निराश हैं।

सिंधुदुर्ग तट पर अरब सागर में इस समय 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से हवाएँ चल रही हैं और साथ ही भारी बारिश भी हो रही है। मौसम विभाग ने मछुआरों को समुद्र में न जाने की साफ़ चेतावनी दी है। इस चेतावनी के बाद, गहरे समुद्र में गई सैकड़ों नावें सुरक्षा कारणों से तुरंत किनारे पर लौट आई हैं। स्थानीय नावों के साथ-साथ गुजरात, रत्नागिरी, मालवन और वेंगुर्ला की नावों ने सिंधुदुर्ग के देवगढ़ बंदरगाह पर शरण ली है। प्रतिकूल मौसम के कारण पिछले आठ दिनों से मछली पकड़ने वाली नावें समुद्र में नहीं जा पा रही हैं। नतीजतन, मछली पकड़ने का कारोबार पूरी तरह ठप हो गया है।

कोंकण में सड़क यातायात भी प्रभावित

समुद्र में तूफ़ान जैसी स्थिति के साथ-साथ, पिछले दो दिनों की बारिश ने कोंकण में सड़क यातायात को भी प्रभावित किया है। पुणे को भोर होते हुए महाड (कोंकण) से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण वरंधा घाट मार्ग कीचड़ से भर गया है। इस बीच, भोर तालुका में रात में हुई तूफ़ानी हवाओं के साथ हुई बारिश के कारण, जहाँ सड़क चौड़ीकरण का काम चल रहा है, मुख्य सड़क पर कीचड़ का एक बड़ा ढेर लग गया है। साथ ही, देवघर और वेणुपुरी के बीच की सड़क पूरी तरह कीचड़ में बदल गई है।

इस कीचड़ के कारण दोपहिया और चार पहिया वाहन फिसल रहे हैं। वहीं बड़े मालवाहक ट्रकों और बसों के कीचड़ में फंसने की घटनाएँ भी हो रही हैं। कई जगहों पर इन वाहनों को क्रेन और जेसीबी की मदद से बाहर निकालना पड़ रहा है। इससे राहगीरों में सड़क निर्माण कार्य कर रहे ठेकेदारों के अनियोजित काम को लेकर रोष है। स्थानीय लोगों ने काम पूरा होने तक तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

सम्पादकीय

धनी देशों का गंदा सच, गरीब देशों को बना रहे हैं ई-कचरे का स्टोर हाउस क्लीन दिखने की होड़ में गंदगी का निर्यात

यह विचित्र है कि दुनिया के धनी देश अपने यहां तो स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के सवाल पर सजग दिखते हैं, लेकिन गरीब देशों को उन्होंने कचरापट्टी का ठिकाना समझ लिया है। अगर कोई भी देश अपने यहां सामान्य गंदगी से लेकर ई-कचरे तक का ढेर नहीं लगने देता है, साफ-सफाई और पुनर्चक्रण का बेहतर इंतजाम करता है, तो यह स्वाभाविक है। मगर यह समझना मुश्किल है कि बहुत सारे अमीर देश अपने कचरे को ठिकाना लगाने के लिए विकासशील या गरीब देशों में ही क्यों भेज देते हैं।

इस संबंध में लंबे समय से सवाल उठाए जा रहे हैं और बताया गया है कि जिस मात्रा में विकसित देशों का कचरा विकासशील देशों में भेजा जा रहा है, उसके गंभीर खमियाजे सामने उठाने पड़ेंगे। संबंधित सरकारों को इसे रोकने के लिए हर स्तर पर तत्काल कदम उठाने चाहिए। मगर इस समस्या की गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कई देशों की ओर से तीखा विरोध उभरने के बावजूद आज भी अमीर देशों ने अपना ई-कचरा विकासशील देशों में भेजा जाना जारी रखा है।

इस संबंध में पर्यावरण पर नजर रखने वाली संस्था बासेल एक्शन नेटवर्क यानी बीएएन ने बुधवार को जारी अपनी एक रपट में कहा है कि अमेरिका से लाखों टन खराब इलेक्ट्रानिक सामग्री दूसरे देशों में भेजी जा रही है, जिनमें से अधिकतर दक्षिण पूर्व एशिया के विकासशील देश हैं। ज्यादा चिंता की बात यह है कि जिन देशों में ये खतरनाक ई-कचरे भेजे जा रहे हैं, वे इसके सुरक्षित रूप से निस्तारण के लिए तैयार नहीं हैं। अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि ये घातक कचरे जिन देशों में भेजे जा रहे हैं, वहां की आबोहवा किस हद तक प्रभावित होगी और उसका आम लोगों के जीवन पर कितना घातक असर पड़ेगा। बीएएन की रपट के मुताबिक, दो वर्ष तक हुई जांच में यह पाया गया कि कम से कम दस अमेरिकी कंपनियां इस्तेमाल किए गए इलेक्ट्रानिक सामान को एशिया और पश्चिम एशिया के देशों में भेजी जाती पाई गई हैं। इलेक्ट्रानिक कचरे में फोन, कंप्यूटर जैसे खराब और फेंके गए उपकरण हैं, जिनमें सीसा, कैडमियम और मरकरी जैसी कीमती सामग्री से लेकर विषाक्त धातु भी शामिल हैं।

गौरतलब है कि बेसल समझौते के तहत केवल उसी तरह के कचरे को एक से दूसरे देश ले जाने की इजाजत है, जो पुनर्चक्रित होने, दोबारा इस्तेमाल में आने के साथ-साथ जहरीला और पर्यावरण के लिए हानिकारक न हो। यह जगजाहिर है कि इलेक्ट्रानिक सामान की दुनिया में कितनी तेजी से नए यंत्र सामने आ रहे हैं। किसी यंत्र का नया संस्करण के आने के बाद कुछ समय के भीतर ही बड़ी तादाद में पुराने यंत्र कचरे में तब्दील हो जाते हैं। यही वजह है कि वैश्विक पैमाने पर पुनर्चक्रण के मुकाबले ई-कचरे में पांच गुना तेजी से बढ़ोतरी हो रही है।

जिन देशों में यह कचरा भेजा जाता है, वहां के जल, भूमि और वायु पर इसका गहरा और विपरीत असर पड़ता है और पर्यावरण बुरी तरह प्रभावित होता है। इसके बाद उससे होने वाले प्रदूषण के दायरे में जो भी आबादी आती है, उसके स्वास्थ्य पर बहुस्तरीय जोखिम पैदा होते हैं। सवाल है कि संसाधनों और सुविधाओं के उपभोग के समांतर ही अनिवार्य रूप से पुनर्चक्रण की व्यवस्था करने के बजाय अमीर और विकसित देशों ने गरीब और विकासशील देशों को अपने खतरनाक ई-कचरे का ठिकाना क्यों बना लिया है। अगर समय रहते इस समस्या का ठोस हल नहीं निकाला गया, तो इस 'छिपी हुई सुनामी' के बेहद खतरनाक नतीजे सामने आ सकते हैं।

योगी-केशव में सुलह, पर मन नहीं मिले; बिहार से बंगाल तक सियासी गरमागरमी, कहीं टिकट की जंग, कहीं गठबंधन की लड़ाई

बिहार और झारखंड में राजद और झामुमो के बीच टिकट बंटवारे को लेकर तीखी बहस हो रही है। उत्तर प्रदेश में योगी और केशव की दूरी अभी साफ नहीं हुई, जबकि कांग्रेस की श्रद्धा और ओवैसी का तेलंगाना समर्थन राजनीतिक हलचल बढ़ा रहा है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल चुनावी तैयारी में जुटी है। पूरे देश में गठबंधन, टिकट और समर्थन की राजनीति गरमाई हुई है।

राष्ट्रीय जनता दल को बिहार में टिकट बंटवारे के मुद्दे पर केवल कांग्रेस से ही उलझना नहीं पड़ा है, बल्कि वाम दलों और झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भी तेजस्वी यादव का सिरदर्द कम नहीं बढ़ाया। झामुमो और राजद के नेताओं के बीच तो जुबानी जंग भी चल रही है। दोनों पार्टियों के प्रवक्ता परस्पर आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। झामुमो के नेता और झारखंड सरकार में मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने तो पत्रकारों के सामने राजद पर धूर्तता का आरोप भी लगा दिया। इस तरह के आरोप पर राजद खेमे का भड़कना स्वाभाविक था। कुछ दिन पहले घोषणा की गई थी कि झामुमो को भी बिहार के महागठबंधन में शामिल किया जाएगा। तभी तो राहुल गांधी और तेजस्वी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के समापन के मौके पर पटना में हुई रैली में मार्च में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी शामिल हुए थे। झामुमो को दो सीट मिलने का भरोसा था। पर, आखिरी वक्त राजद ने गच्चा दे दिया और एक भी सीट नहीं दी। नाराज होकर झामुमो ने शुरू में छह सीटों पर अपने उम्मीदवार

खड़े करने की बात कही थी, लेकिन बाद में पीछे हट गई। झामुमो का कहना था कि उसने झारखंड में पिछले साल राजद को छह सीट दी थी। तब, जबकि उनका एक ही विधायक था। झामुमो की शिकायत है कि यादव उसे वोट नहीं देते, भाजपा को दे देते हैं। लगता है कि बिहार की इस तनातनी का असर झारखंड में भी दिखेगा।

उत्तर प्रदेश में भाजपा आलाकमान ने हस्तक्षेप करके राज्य सरकार के दो बड़े नेताओं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य के बीच सुलह भले करा दी हो, पर दोनों के रिश्ते सहज नहीं लगते। योगी जहां हिंदुत्व का चेहरा हैं, वहीं केशव मौर्य भाजपा का ओबीसी चेहरा ठहरे। मौर्य को मुख्यमंत्री न बन पाने का मलाल तो है ही। पिछले हफ्ते राज्य के सेवानिवृत्त मुख्य सचिव मनोज कुमार दोनों की लड़ाई में मोहरा बनते-बनते योगी की कृपा से बच पाए। राजपूत मनोज के खिलाफ केशव मौर्य के मंत्रालय ने दस करोड़ की वसूली का नोटिस जारी कर दिया था। आरोप था, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति के क्रियान्वयन में अनियमितता का। मामला योगी तक पहुंचना ही था। उन्होंने जारी नोटिस गुरुवार को निरस्त करा दिया। नया आदेश जारी किया सूबे के कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार ने।

बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी अपने सहयोगी दलों के साथ पूरा जोर लगा रही है। चुनावी दंगल के बहाने ही सही, अरसे बाद पार्टी को पुराने नेताओं की याद आई है। कांग्रेस नेतृत्व पर पार्टी से जुड़े नेताओं को उपेक्षित करने का आरोप लगता रहा है। इस बार बिहार से जुड़े नेता की पुण्यतिथि पर कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने अपनी श्रद्धांजलि दी। पार्टी के शीर्ष नेताओं से लेकर स्थानीय नेता भी पार्टी मुख्यालय में श्रद्धांजलि देने के लिए जुटे। लेकिन, अचानक से उमड़ी इस श्रद्धा पर सवाल भी उठे कि अभी तक तो ऐसा कोई कार्यक्रम नहीं किया था। यह श्रद्धांजलि कार्यक्रम सियासी समीकरण की भेंट तो चढ़ा ही, वरिष्ठों की उपेक्षा को लेकर पुराने जख्म भी हरे हो गए।

असदुद्दीन ओवैसी के राजनीतिक कदम का समीकरण अक्सर दूसरे दलों पर भारी पड़ता है। वे जहां दोस्ती का भाव दिखाते हैं, वहां भी उन्हें दुश्मन की तरह आंका जाता है। खास कर विपक्ष को वे उलझा देते हैं। फिलहाल ओवैसी ने तेलंगाना में कांग्रेस को दुविधा में डाल दिया है। तेलंगाना की दुविधा का असर पड़ना बिहार में है। राज्य की सिकंदराबाद लोकसभा में आने वाली विधानसभा सीट जुबली हिल्स के उपचुनाव में एआइएमआइएम ने अपना उम्मीदवार नहीं उतारा है। अलबत्ता कांग्रेस के समर्थन का एलान किया है। इस सीट पर उपचुनाव की नौबत 2023 में विजयी हुए बीआरएस के गोपीनाथ के निधन के कारण आई है। यह बीआरएस का दुर्ग मानी जाती है। उपचुनाव में मुख्य मुकाबला बीआरएस, कांग्रेस और भाजपा उम्मीदवारों के बीच है। खुद ओवैसी हैदराबाद से ही लोकसभा सदस्य हैं। ओवैसी ने तंज भी कसा है कि कांग्रेस भले उन्हें अछूत मानती हो पर वे धर्मनिरपेक्ष सोच के कारण जुबली हिल्स में उसका समर्थन कर रहे हैं। इस समर्थन ने कांग्रेस की दुविधा बढ़ा दी है। पार्टी जानबूझ कर कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रही। वह विरोध कर नहीं सकती और समर्थन के लिए आभार जताएगी तो बिहार में गलत संदेश जाएगा। जहां महागठबंधन ओवैसी को भाजपा की 'ब टीम' बताता है। विमर्श बदल न जाए, इसी कारण 243 में पांच सीट की ओवैसी की मांग भी ठुकरा दी महागठबंधन ने। 2020 के चुनाव में ओवैसी ने विपक्ष का खेल बिगाड़ा था।

दीदी बखूबी जानती हैं कि पश्चिम बंगाल में एसआइआर (विशेष पुनरीक्षण अभियान) को रोकना आसान नहीं होगा। आयोग ने तैयारी कर ली है। उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। बिहार की तरह ही आयोग को हर सूबे में यह काम तीन महीने में पूरा करना है। तभी तो तृणमूल कांग्रेस की मुखिया और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने अपने कार्यकर्ताओं को धरातल पर उतरने और मतदाता सूची घर-घर ले जाकर ये जांच करने को कहा है कि तृणमूल समर्थकों के नाम सूची में हैं या नहीं। बूथ स्तर के एजंटकी नियुक्ति भी शुरू कर दी है। उनके कार्यकर्ता घर-घर जाकर देखेंगे कि उनके समर्थकों के पास जरूरी दस्तावेज हैं या नहीं। आधार के अलावा आयोग ने बिहार में जिन 11 दस्तावेजों का एलान किया था, उनमें से कोई एक सबके पास हो, यह तय करेंगे तृणमूल के कार्यकर्ता। खबर तो यह भी आ रही है कि तृणमूल कार्यकर्ता और नेता बीएलओ को धमकी दे रहे हैं। घबरा कर कुछ बीएलओ पीछे हटने लगे हैं। कई बीएलओ को चुनाव आयोग द्वारा नोटिस भेजने से इसकी पुष्टि होती है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव अगले साल है।

बिहार के भाजपा-जदयू नेता कर रहे होंगे कामना- दिल्ली में छठ पूजा का हो बढ़िया इंतजाम

आज शनिवार को नहाय-खाय से छठ का पावन पर्व शुरू हो गया है। राजधानी दिल्ली में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता इस बार के छठ को ऐतिहासिक, यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। पिछले साल की तस्वीरें जरूर झाग वाली यमुना, प्रदूषण में डुबकी लगाते श्रद्धालुओं की रही थी, लेकिन अब जब दिल्ली में बीजेपी की सरकार है, इस नेरेटिव को बदलने की पुरजोर कोशिश जारी है। दिलचस्प यह है कि जितनी मेहनत दिल्ली की रेखा सरकार कर रही है, उससे ज्यादा कामना दिल्ली से 1, 123.6 किलोमीटर दूर बिहार में बैठे एनडीए के नेता कर रहे हैं।

दिल्ली में प्रवासी लोगों की संख्या सबसे ज्यादा है, यहां भी यूपी-बिहार से आए लोग ज्यादा तादाद में रहते हैं। 2011 की जनगणना बताती है कि दिल्ली में तीन में से दो प्रवासी या तो उत्तर प्रदेश के होते हैं या फिर बिहार से। यहां भी आंकड़े इस बात की पुष्टि कर रहे हैं कि बिहार से आए लोगों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। अकेले दिल्ली के तीन जिलों में प्रवासियों की संख्या 40 फीसदी के करीब है, यहां भी नई दिल्ली, साउथ दिल्ली और दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली में इनकी उपस्थिति सबसे ज्यादा मानी जाती है। बात अगर बिहारी प्रवासियों की करें तो दिल्ली के उत्तर, पश्चिमी, और दक्षिण जिलों में दो लाख के करीब उनकी आबादी है।

अब दिल्ली की इस प्रवासी आबादी के लिए छठ पर्व एक बड़ा धार्मिक अनुष्ठान है। वे राजधानी में जब यमुना किनारे सूर्य को अर्घ्य देने जाते हैं, उनके लिए वो सिर्फ पूजा मात्र तो नहीं है, वे तो इसे अपनी संस्कृति, अपनी प्राचीन परंपरा और अपनी अस्मिता से जोड़कर देखते हैं। आज के दौर में जब कुछ लोग खुद की बिहारी पहचान छिपाने की कोशिश करते हैं, उनसे बड़ी तादाद ऐसे लोगों की है जो उसी पहचान पर गर्व करते हैं। ऐसे में उनकी आस्था को अगर जरा भी चोट पहुंचेगी तो सियासी झटके सिर्फ राजधानी दिल्ली तक सीमित नहीं रहने वाले हैं, बिहार के गलियारों में भी इस पर राजनीतिक रोटियां जरूर सेकी जाएंगी और एनडीए को भी इसी बात का डर सता रहा है।

इस समय दिल्ली में बिहारी प्रवासियों का सम्मान ही बिहार में एनडीए का सियासी भविष्य तय कर सकता है। इस देश में आज भी कई मौकों पर असल मुद्दों पर जाति और धर्म हावी हो जाते हैं। ऐसे में दिल्ली में अगर रेखा सरकार से छठ के आयोजन में कोई भी चूक होगी, उसका विपक्ष के लिए सीधा मतलब होगा- बिहारियों का अपमान, बिहारी परंपरा

का अपमान और बिहारी अस्मिता को चोट। ऐसे में भावनात्मक मुद्दे कई बार पासा पलट सकते हैं और जीती हुई बाजी भी हारी जा सकती है।

ऐसे में दिल्ली में छठ के अच्छे आयोजन का मतलब है कि राजधानी में रहने वाले कई प्रवासी वोटर जब बिहार में चुनाव के लिए वोटिंग करने जाएंगे, उनके मन में यह जरूर रहेगा कि बीजेपी सरकार ने उनकी आस्था का ख्याल रखा, उनकी धार्मिक परंपराओं का पूरी तरह सम्मान किया गया। वो सम्मान, वो इज्जत ही किसी पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने के लिए काफी है। चुनाव आयोग खुद इस बात को मानता है कि जब भी छठ पर्व के बाद बिहार में विधानसभा चुनाव करवाए जाते हैं तो वोटिंग प्रतिशत में वृद्धि देखने को मिलती है, इसमें बड़ी संख्या प्रवासियों की भी रहती है। ऐसे में यह एक ऐसा वोटबैंक है जो कहने को बिहार में मौजूद नहीं है, लेकिन फिर भी बिहार की राजनीति में काफी अहम बना हुआ है।

बीजेपी के लिए तो इस बार छठ ज्यादा बड़ी चुनौती इसलिए भी है क्योंकि उसके 'डबल इंजन' वाले वादे की ये अग्नि परीक्षा है। पहले तो फिर भी दिल्ली में केजरीवाल की सरकार थी तो अगर छठ के आयोजन में चूक हो गई तो बीजेपी उसे बिहार में आराम से सियासी मुद्दा बना सकती थी, लेकिन अब जब राजधानी में उनकी सरकार है, केंद्र में वे सत्ता में है और बिहार में भी एनडीए ही राज कर रहा है, इस स्थिति में तो कोई भी बहाना काम नहीं आने वाला है और वोटर भी इसी कसौटी पर परखेगा।

वैसे दिल्ली की रेखा सरकार कसौटी पर कितना खरी उतर रही है, इसका असल प्रचार दिल्ली से मनोज तिवारी को करना होगा। वे बीजेपी के एक बड़े पूर्वांचली नेता हैं, भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार हैं और बिहार की जनता के बीच में उनकी लोकप्रियता भी जबरदस्त है। इसी तरह रवि किशन को भी बीजेपी अपना ब्रांड एंबेसडर बना सकती है, 'छठ के सफल आयोजन' वाले नेरेटिव का प्रचार उनके कंधों पर भी रहने वाला है। इन दोनों ही नेताओं को बीजेपी ने बिहार चुनाव में भी अपनी स्टार प्रचारक की सूचि में रखा है और बिहार के पूर्वी-चम्पारण, पश्चिम-चम्पारण, सीवान, सारण, समस्तीपुर, गोपालगंज जैसी सीटों पर उनका ठीक-ठाक प्रभाव भी है।

अभी के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छठ आयोजन को लेकर बड़े वादे कर दिए हैं, बिहार एनडीए के नेता भी उम्मीद भरी नजरों से राजधानी को देख रहे हैं। राज्य सरकार का दावा है कि इस बार छठ महापर्व को दिवाली जैसी भव्यता दी जाएगी। इसके ऊपर यमुना नदी के किनारे 17 मॉडल छठ घाट बनाए जा रहे हैं, पूरी कोशिश है कि श्रद्धालुओं को अर्घ्य देते समय शुद्ध जल मिले। सोशल मीडिया उन तस्वीरों से भी पट चुका है जहां पर सांसद, विधायक और पार्षद अपने-अपने क्षेत्रों के घाटों पर जाकर सफाई अभियान चला रहे हैं। ऐसे में दिल्ली में छठ के बेहतर इंतजाम की तैयारी पूरी है और बिहार एनडीए नेताओं की प्रार्थना भी लगातार जारी है।

ट्रंप के एशिया दौरे पर भारत क्यों रखे हुए है नजर?

क्या वैश्विक राजनीति के समीकरण बदलने वाले हैं?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आगामी एशिया यात्रा केवल एक कूटनीतिक औपचारिकता नहीं है; यह वैश्विक शक्ति-संतुलन, व्यापार व्यवस्था और रणनीतिक गठबंधनों के पुनर्संयोजन की एक निर्णायक प्रक्रिया का संकेत देती है। यह दौरा मलेशिया, जापान और दक्षिण कोरिया तक फैला है। यह तीन ऐसे देश हैं जो न केवल एशिया की आर्थिक धुरी हैं बल्कि अमेरिका की 'इंडो-पैसिफिक' नीति के केंद्रीय स्तंभ भी हैं।

हम आपको बता दें कि ट्रंप का पहला पड़ाव मलेशिया होगा, जहाँ वह आसियान शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। 2017 के बाद यह उनका पहला प्रत्यक्ष सहभाग होगा। वह न केवल व्यापारिक वार्ताओं में भाग लेंगे, बल्कि दक्षिण-पूर्व एशिया की नाजुक शांति प्रक्रिया में भी भूमिका निभाएंगे– विशेषकर थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद के समाधान में।

यह संकेत है कि अमेरिका पुनः इस क्षेत्र में 'सुरक्षा साझेदार' के रूप में अपनी भूमिका को पुनर्स्थापित करना चाहता है। चीन के बढ़ते प्रभाव, विशेषकर दक्षिण चीन सागर में, ने वॉशिंगटन को यह महसूस कराया है कि यदि वह एशिया में प्रभाव बनाए रखना चाहता है, तो उसे केवल आर्थिक नहीं, बल्कि कूटनीतिक और सुरक्षा स्तर पर भी सक्रिय होना पड़ेगा।

मलेशिया के साथ ट्रंप की द्विपक्षीय वार्ता का केंद्र सेमीकंडक्टर, व्यापार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल ऊर्जा सहयोग पर रहेगा। यह इस बात का प्रमाण है कि अमेरिका अब 'नवऔद्योगिक तकनीक' को अपने रणनीतिक प्रभाव का नया माध्यम बनाना चाहता है। यह भी गौरतलब है कि ट्रंप के आने से पहले चीन के उप-प्रधानमंत्री हे लीफेंग और अमेरिकी वित्त सचिव स्कॉट बेसेंट के बीच भी मलेशिया में वार्ता तय है जो बताती है कि इस यात्रा के पीछे आर्थिक टकराव को शांत करने का गहरा प्रयास छिपा है।

ट्रंप का दूसरा पड़ाव टोक्यो है, जहाँ ट्रंप जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री साने ताकाइची से मिलेंगे। हम आपको बता दें कि अमेरिका-जापान संबंध परंपरागत रूप से स्थिर माने जाते हैं, पर हाल के वर्षों में 'टैरिफ संतुलन' और 'ऊर्जा नीति' को लेकर मतभेद बढ़े हैं। ट्रंप प्रशासन जापान से 550 अरब डॉलर के निवेश की अपेक्षा कर रहा है, जिसे जापान 'अवास्तविक' बता चुका है। वहीं, जापान के लिए चुनौती यह है कि अमेरिका ने अब भी ऑटोमोबाइल और इस्पात जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ऊँचे आयात शुल्क लगाए हुए हैं। इसके साथ ही अमेरिका ने जापान पर रूस से तरलीकृत प्राकृतिक गैस खरीद घटाने का भी दबाव डाला है।

यहाँ ट्रंप की रणनीति दोहरी है– एक ओर वह जापान से अमेरिकी अर्थव्यवस्था में बड़े निवेश की अपेक्षा रखते हैं, दूसरी ओर, वह यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि जापान की ऊर्जा निर्भरता रूस पर न रहे। यह नीति केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक भी है, क्योंकि अमेरिका चाहता है कि उसके एशियाई सहयोगी रूस और चीन दोनों से दूरी बनाए रखें।

हम आपको यह भी बता दें कि ट्रंप की यात्रा का चरम बिंदु दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू शहर में होगा, जहाँ वह एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बहुप्रतीक्षित मुलाकात करेंगे। यह बैठक वैश्विक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव, दुर्लभ खनिजों पर निर्यात नियंत्रण और फेंटानिल (एक खतरनाक मादक पदार्थ) की तस्करी पर रोक जैसे मुद्दे एजेंडा में हैं। हाल के महीनों में बीजिंग ने रणनीतिक धातुओं के निर्यात

पर प्रतिबंध लगाए हैं, जिन पर अमेरिकी रक्षा उद्योग काफी हद तक निर्भर है। ट्रंप चाहते हैं कि दोनों देशों के बीच 'सब कुछ पर एक समझौता' हो जाए– यह बयान जितना महत्वाकांक्षी है, उतना ही कठिन भी।

सियोल के साथ भी ट्रंप एक महत्वपूर्ण निवेश समझौता अंतिम रूप देने की कोशिश करेंगे। हालांकि, हाल ही में अमेरिकी एजेंसियों द्वारा जॉर्जिया स्थित एक कोरियाई फैक्ट्री पर छापे के बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव आया है। फिर भी, दक्षिण कोरिया ट्रंप प्रशासन को यह दिखाना चाहता है कि वह इंडो-पैसिफिक रणनीति में एक स्थायी और भरोसेमंद भागीदार है।

दूसरी ओर, भारत के दृष्टिकोण से ट्रंप की एशिया यात्रा के कई आयाम हैं। सबसे पहले भारत भी इस दौरे में 'आसियान डिजिटल सम्मेलन' के माध्यम से आभासी भागीदारी करेगा। यह इस बात का प्रतीक है कि नई दिल्ली भले ही अमेरिका के साथ हाल के महीनों में टैरिफ विवादों से गुजरी हो लेकिन भारत अपने क्षेत्रीय हितों की उपेक्षा नहीं कर रहा। साथ ही भारत के लिए ट्रंप-शी भेंट का महत्व विशेष रूप से बड़ा है। यदि अमेरिका और चीन के बीच किसी प्रकार का व्यापारिक सामंजस्य बनता है, तो इसका सीधा असर भारत की निर्यात नीति, तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं, और एशिया में शक्ति-संतुलन पर पड़ेगा। भारत के लिए यह अवसर भी है और चुनौती भी क्योंकि अमेरिका और चीन के बीच स्थिरता से भारत के 'रणनीतिक स्वायत्तता' के लिए जगह कम हो सकती है।

साथ ही, अमेरिका का दक्षिण-पूर्व एशिया में बढ़ता हस्तक्षेप भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति को भी पूरक दिशा देता है। यदि वॉशिंगटन और क्वॉड (भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका) मिलकर इंडो-पैसिफिक में नई आर्थिक एवं तकनीकी व्यवस्था गढ़ते हैं, तो भारत के लिए यह क्षेत्रीय एकीकरण और निवेश के नए अवसर खोलेगा।

देखा जाये तो ट्रंप की यह यात्रा केवल एक कूटनीतिक दौरा नहीं, बल्कि अमेरिकी नेतृत्व के पुनर्प्रतिष्ठान का प्रयास है। आसियान, एपीईसी, और चीन– इन तीनों मोर्चों पर अमेरिका अपनी 'आर्थिक राष्ट्रवाद' की नीति को नई विश्व-व्यवस्था के अनुकूल ढालने की कोशिश कर रहा है। भारत को इस प्रक्रिया में सजग रहना होगा। जहाँ एक ओर ट्रंप की व्यापारिक आक्रामकता भारत के निर्यात को प्रभावित कर सकती है, वहीं दूसरी ओर यह भारत के लिए एक अवसर भी है एशिया में संतुलनकारी शक्ति के रूप में उभरने का। बहरहाल, ट्रंप की एशिया यात्रा, वैश्विक राजनीति के लिए जितनी निर्णायक है, भारत के लिए उतनी ही सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण। यह केवल अमेरिका-चीन समीकरण की कहानी नहीं है, बल्कि एशिया में नए युग के शक्ति-संतुलन की भूमिका भी तय करेगी।

ग्राम प्रधान सांगीपुर ने गांव की सरकारी जमीनों से अवैध कब्जा हटवाए जाने की मांग किया

अवैध कब्जा धारकों को बेदखल कर मुकदमा दर्ज कराने की भी मांग किया

सोरांव। जनपद प्रयागराज की तहसील सोरांव अंतर्गत विकासखंड होलागढ़ की ग्राम पंचायत सांगीपुर की ग्राम प्रधान मीरा देवी ने अपने लेटर पैड पर जिलाधिकारी प्रयागराज को 10 अक्टूबर को लिखित शिकायती पत्र देते हुए आरोप लगाया है और अवगत कराया है कि गांव के कुछ दबंग भूमाफियाओं द्वारा गांव की बेश कीमती जमीनें जिसमें की तालाब की जमीन और अन्य ग्राम सभा की सार्वजनिक उपयोग की जमीन शामिल है जिन पर की भूमाफियाओं द्वारा अवैध कब्जा कर लिया गया है जिसको प्रयागराज जिलाधिकारी को लिखित शिकायती पत्र देते हुए ग्राम प्रधान मीरा देवी ने उक्त जमीनों को भूमाफियाओं के चंगुल से छुड़ाते हुए उन्हें बेदखल करते हुए एफआईआर दर्ज कराए जाने की भी मांग किया है बता दें कि गांव की गाटा संख्या 96 तालाब, गाटा संख्या 97 ऊसर, गाटा संख्या 98 रास्ता, गाटा संख्या 110 खाद गड्ढा, गाटा संख्या 111 तालाब, गाटा संख्या 112 बंजर, गाटा संख्या 108 ख ऊसर की जमीन पर अवैध अतिक्रमण किया गया है।

मिशन शक्ति 5.0 : नारी सुरक्षा-सम्मान का मजबूत कवच, प्रयागराज में चलाया गया जागरूकता अभियान

गंगानगर जोन में बाजारों से कॉलेज तक, मिशन शक्ति टीमों ने किया अधिकारों और हेल्पलाइन नंबरों का प्रचार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण योजना 'मिशन शक्ति 5.0' के अंतर्गत रविवार को गंगानगर जोन कमिश्नरेट के सभी थानों की महिला पुलिसकर्मियों व मिशन शक्ति टीमों द्वारा व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त गंगानगर एवं अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में संचालित किया गया।

महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान तथा स्वावलंबन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों के प्रमुख बाजारों, कस्बों, शिक्षण संस्थानों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर जागरूकता फैलायी। पुलिसकर्मियों ने महिलाओं और छात्राओं को उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों

की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही, सरकार द्वारा संचालित विभिन्न सहायता योजनाओं के बारे में भी बताया गया।

कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को साइबर सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, अनजान लिंक न खोलने, किसी संदिग्ध व्यक्ति की मित्रता स्वीकार न करने और व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने की सलाह भी दी गई। मिशन शक्ति टीम ने स्पष्ट संदेश दिया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल बिना हिचक शिकायत करें। महिला पुलिसकर्मियों द्वारा सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर 112 (पुलिस आपात सेवा), 1090 (वूमेन पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 1076 (सीएम हेल्पलाइन), 1930 (साइबर हेल्पलाइन) के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और पम्पलेट भी वितरित किए गए। मिशन शक्ति 5.0 अभियान का उद्देश्य सिर्फ सुरक्षा नहीं, बल्कि हर महिला और बालिका के भीतर आत्मविश्वास जगाना है कि वे सुरक्षित हैं, समर्थ हैं और हर कदम पर पुलिस उनके साथ खड़ी है।

बेज बिरयानी दुकानदार को शराब नशेड़ियों ने पीटा, एफआईआर दर्ज

नवाबगंज (प्रयागराज)। शराब के नशे में बेज बिरयानी दुकानदार की लाठी-डंडे से पीटाई कर घायल करते हुए धमकी दी गई है। पुलिस मामले में एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की है।

नवाबगंज थाना क्षेत्र रघुवंशपुर उर्फ रेरूआ निवासी प्रीतम पुत्र लल्लू राम नवाबगंज चौराहे पर बेज बिरयानी की दुकान पर छ अक्टूबर की रात्रि 9:30 बजे शराब के नशे में विपक्षियों द्वारा लाठी-डंडे से मारकर कर घायल करते हुए धमकी दी गई। वहीं पुलिस घटना मामले की तहरीर पर सचिन केसरवानी पुत्र पन्ना लाल निवासी स्टेशन रोड नवाबगंज, विपिन मौर्या निवासी मलाक बलऊ एवं दो अज्ञात लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुरानी रंजिश को लेकर युवक पर हमला, मुकदमा दर्ज

नवाबगंज (प्रयागराज)। पुरानी रंजिश को लेकर विपक्षियों द्वारा जानलेवा हमला करते हुए युवक को घायल करते हुए धमकी दी गई थी। वहीं पुलिस घटना मामले की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है।

नवाबगंज थाना क्षेत्र सेरावां मजरा खेतई का पुरा निवासिनी माधुरी पत्नी सूरज सरोज ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसके पति को सूरज सरोज को विपक्षियों द्वारा पुरानी रंजिश को लेकर लाठी-डंडे एवं लोहे की राड से हमलाकर घायल करते हुए धमकी दी गई है। वहीं घायल की पत्नी माधुरी की तहरीर पर नवाबगंज पुलिस ने विजय सरोज एवं शिवा सरोज पुत्रगण हरिलाल सरोज, राजू सरोज पुतुन्नू निवासीगण भीटा उर्फ भैरोपुर कुढ़ा के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है।

पुआल रखने को लेकर मार पीट, दो पर मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। पुआल रखने को लेकर युवती को मारा पीटा गया और जान से मारने की धमकी भी दी गई। युवती ने दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है।

मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम छाता नई बस्ती निवासनीय सती देवी पुत्री स्वर्गीय सजन लाल चौहान का आरोप है कि विपक्षी उसकी जमीन पर पुआल रख रहे थे।मना करने पर उसे मारे पीटे गालियां दी और जान से मारने की धमकी दिए।सती देवी ने मऊआइमा थाने में शिवबहादुर, कल्लू के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

जिला निर्वाचन अधिकारी नेआगामी विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की तैयारियों के सम्बन्ध में की बैठक

मैपिंग के चल रहे कार्य को अविलंब पूर्ण कराए जाने के दिए निर्देश

प्रयागराज। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में रविवार को संगम सभागार में समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/समस्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ आगामी विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की तैयारियों के सम्बन्ध में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने वर्तमान में चल रहे वर्ष 2025 के मतदाताओं और 2003 की निर्वाचक नामावली के मतदाताओं की मैपिंग के सम्बन्ध में चल रहे कार्य में हुई प्रगति की समीक्षा करते हुए विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 254-फाफामऊ एवं 265-कोरांव की स्थिति असंतोषजनक पाए जाने के दृष्टिगत संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को उक्त कार्य को अविलंब पूर्ण कराने के साथ शेष विधानसभा क्षेत्र निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को भी अविलंब पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए गए तथा यह भी निर्देशित किया

गया कि उक्त कार्य को शीर्ष प्राथमिकता के आधार पूर्ण कराएं अन्यथा की स्थिति में किसी भी प्रकार की शिथिलता के लिए आप स्वयं उत्तरदायी होंगे। उक्त के अतिरिक्त इलाहाबाद झांसी खंड स्नातक निर्वाचन से संबंधित जितने भी फॉर्म संबंधित तहसीलों को प्राप्त हो रहे हैं उन्हें डाउनलोड कराकर संबंधित को बीएलओ के माध्यम से फोटो एवं अन्य शैक्षणिक दस्तावेज प्राप्त कर उनकी फीडिंग भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कराकर समस्त कार्यवाही पूर्ण कराने के भी निर्देश जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारियों को दिए हैं।

जनपद में बनेगी नई मिसाल, अब एसटीपी के एक तालाब में ही साफ होगा पानी

प्रयागराज। जनपद के नैनी, सलोरी और राजापुर में बनाए जा रहे प्लांटों में नालों का पानी एक ही तालाब में साफ होगा। इसकी गुणवत्ता पुराने प्लांटों की तुलना में तीन गुना तक बेहतर होगी। अभी तक शहर में बनाए गए प्लांटों में पानी साफ करने के लिए परिसर में दो तालाब बनाए जाते थे। इनमें

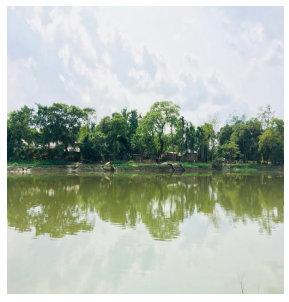

एक प्लांट में पानी इकट्ठा कर दूसरे में साफ कर बाहर निकाला जाता रहा। बन रहे प्लांटों में सिक्वेंस बैच रिएक्टर (एसबीआर) तकनीक से बनाया जा रहा है। इसके तहत गंदा पानी एक ही तलाब में साफ होगा। प्लांट में साफ किए जाने वाले पानी की गुणवत्ता तीन गुना अधिक होगी।

प्लांटों के निर्माण का काम देख रहे गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई के प्रोजेक्ट मैनेजर एसएस परमार ने बताया कि एनजीटी की गाइडलाइन के अनुसार नए प्लांटों में 10 बीओडी तक पानी को साफ किया जाएगा। इससे पहले बने प्लांटों पर 30 बीओडी तक पानी साफ किया जाता है। प्रोजेक्ट मैनेजर के अनुसार प्लांटों का निर्माण कर रही एजेंसियां 15 साल तक इनका रखरखाव भी करेंगी।

प्रयागराज के नैनी में बनाए जा रहे तीसरे सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में कूड़े से बिजली भी बनाई जाएगी। पानी साफ करने के बाद जो कूड़ा निकलेगा, उससे मिथेन गैस बनाई जाएगी। गैस बनाने के लिए चैंबर बनाए जाएंगे। मिथेन गैस से बिजली बनाने के लिए मशीन लगाई जाएगी। मशीन की कीमत लगभग पांच करोड़ है। प्लांट में कूड़े से बिजली बनाने के लिए परिसर के भीतर नया ढांचा बनाया जाएगा और कूड़े से हर रोज 3500 यूनिट तक बिजली पैदा करने का लक्ष्य है।

शंकरगढ़ थाना दिवस में एसडीएम बारा ने सुनी फरियादियों की फरियाद

एसडीएम प्रेरणा गौतम ने थाना दिवस में दिए आवश्यक निर्देश 16 शिकायतें आई सामने

थाना दिवस में फरियादियों को मिली न्याय की उम्मीद, एसडीएम ने दिलाया भरोसा

प्रयागराज। जनपद के यमुनानगर थाना शंकरगढ़ में शनिवार को उपजिलाधिकारी बारा प्रेरणा गौतम की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एसडीएम बारा और प्रभारी निरीक्षक शंकरगढ़ यशपाल सिंह ने फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और त्वरित निस्तारण के आदेश दिए। इस दौरान 16 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए फरियादियों द्वारा प्रस्तुत मामलों को न केवल गंभीरता से लिया गया बल्कि मौके पर ही 7 मामलों का त्वरित निस्तारण भी सुनिश्चित किया गया। एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण समय सीमा के भीतर किया जाए।राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने क्षेत्र में अतिक्रमण और अन्य विवादों को लेकर जांच की और संबंधित पक्षों को उचित निर्देश दिए।इस समाधान दिवस ने क्षेत्र के लोगों में प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ाया।फरियादियों ने अधिकारियों की सक्रियता और गंभीरता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम उनकी समस्याओं को हल करने में मददगार साबित होते हैं।सम्पूर्ण समाधान दिवस जैसे कार्यक्रम प्रशासन और जनता के बीच संवाद का मजबूत जरिया बनते हैं। इससे न केवल समस्याओं का समाधान होता है, बल्कि पारदर्शिता और विश्वास भी कायम होता है। इस मौके पर कानूनगो देवी शंकर, कानूनगो अभय राज यादव समेत कई लेखपाल एवं थाना शंकरगढ़ के समस्त पुलिस स्टाफ मौजूद रहे।

गरीब विकलांग की पत्नी को दबँगों ने साजिशन किया गायब! बेटी को दी जान से मारने की धमकी

पीड़ित ने मुख्यमंत्री से न्याय व आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की लगायी गुहार

मऊआइमा (प्रयागराज)। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम मोहन का पूरा धीनपुर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहाँ पुराने रंजिश के चलते गांव के ही दबंग विपक्षियों ने एक गरीब व विकलांग व्यक्ति की पत्नी को साजिशन गायब कर दिया। पीड़ित ने मुख्यमंत्री को प्रार्थनापत्र भेजकर इस गंभीर मामले में त्वरित मुकदमा दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित मोहम्मद अकरम पुत्र स्व. कुर्बान अली दाहिने पैर से पोलियोग्रस्त हैं और आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर परिवार से ताल्लुक रखते हैं। 10 मार्च 2025 की दोपहर लगभग 2:30 बजे उनकी पत्नी गांव के ही श्याम लाल कश्यप पुत्र विशम्बर की दुकान पर कुछ सामान लेने गयी थीं। बताया जाता है कि आरोपियों का परिवार प्रार्थी की पत्नी को अपने घर के अंदर ले गया और शाम तक रोके रखा। जब देर शाम तक पत्नी घर नहीं लौटी तो अकरम ने आस-पड़ोस व रिश्तेदारों में

खोजबीन की, मगर कोई सुराग नहीं मिला। अगले दिन सुबह वह अपने बेटे मोहम्मद सुहेल को बसदेड्या स्थित कॉलेज में परीक्षा दिलाने ले गए। इसी बीच उनकी बेटी सुहाना बानों श्याम लाल के घर यह पूछने पहुँची कि उसकी माँ कहाँ है। वहाँ मौजूद श्याम लाल की पुत्री ने सुहाना को घर के अंदर बुलाया और उसकी माँ से बात कराई। साथ ही माँ का कपड़ा भी मंगवाकर उसे दे दिया। जब सुहाना घर लौटने लगी और अपने पिता को सब कुछ बताने की बात कही, तभी आरोपियों में श्याम लाल, उसकी पत्नी रानी देवी, बेटी मनोरमा और पुत्र महेन्द्र ने सुहाना को मौत के घाट उतार देने की धमकी देकर डरा-धमका दिया। साथ ही यह भी कहा कि अगर उसने अपनी माँ के बारे में किसी को बताया तो पूरे परिवार के साथ गंभीर अनहोनी होगी। पीड़ित अकरम का कहना है कि विपक्षियों ने उसकी बेटी को डराकर सच छुपाने पर मजबूर किया, और अब उसकी पत्नी का कोई पता नहीं चल रहा है। उनका आरोप है कि विरोधी पक्ष ने पूरी साज़िश के तहत उसकी पत्नी को गायब कर दिया है, जिससे परिवार गहरे सदमे और भय के माहौल में जीने को मजबूर है। पीड़ित अकरम ने मुख्यमंत्री, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों व प्रशासन से मांग की है कि आरोपी व्यक्तियों के विरुद्ध तत्काल मुकदमा दर्ज कर उनकी पत्नी को सुरक्षित खोजकर न्याय दिलाया जाए। स्थानीय ग्रामीणों का भी कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाये, ताकि इस तरह के अपराधों पर अंकुश लगाया जा सके।

नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ छठ महापर्व, खरना कल

प्रयागराज। सूर्योपासना का चार दिवसीय महापर्व कार्तिक छठ आज से नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया है। लोक आस्था के महापर्व छठ के चार दिवसीय अनुष्ठान की शुरुआत शनिवार को नहाय-खाय के साथ हो गई है। छठ के पहले दिन व्रती नर-नारियों ने अंतःकरण की शुद्धि के लिए नहाय-खाय के संकल्प के तहत नदियों-तालाबों के निर्मल एवं स्वच्छ जल में स्नान करने के बाद अरवा भोजन ग्रहण कर इस व्रत को शुरू किया। सुबह से ही गंगा नदी, तालाब, पोखर में व्रती स्नान करती हैं।

छठ महापर्व का दूसरा दिन, जिसे लोहंडा और खरना के नाम से जाना जाता है। रविवार को मनाया जाएगा। इस दिन व्रती महिलाएं पूरे दिन निर्जला उपवास रखते हैं और शाम को सूर्योस्त के समय भगवान सूर्य की पूजा करने के बाद दूध और गुड़ से बनी खीर का प्रसाद ग्रहण कर अपना उपवास तोड़ेंगी। ब्रह्म मुहूर्त 4 बजकर 47 मिनट से लेकर 5 बजकर 38 मिनट तक है। वहीं, अभिजीत मुहूर्त दिन 11 बजकर 42 से लेकर 12 बजकर 27 तक है। जबकि गोधूलि मुहूर्त शाम 5 बजकर 41 मिनट से लेकर 6 बजकर 6 मिनट तक है।

छठ पूजा में महिलाएं 36 घंटे तक व्रत रहती हैं। परिवार की सुख-समृद्धि तथा कष्टों के निवारण के लिए किए जाने वाले इस व्रत की एक खासियत यह भी है कि इस पर्व को करने के लिए किसी पुरोहित (पंडित) की आवश्यकता नहीं होती है। महापर्व छठ के दूसरे दिन महिला एवं पुरुष व्रती कल एक बार फिर नदियों, तालाबों में स्नान करने के बाद अपना उपवास शुरू करेंगे। दिनभर के निर्जला उपवास के बाद व्रती सूर्यास्त होने पर भगवान सूर्य की पूजा कर एक बार ही दूध और गुड़ से बनी खीर खाएंगे। इसके बाद जब तक चांद नजर आएगा तभी तक वह जल ग्रहण कर सकेंगे और उसके बाद से उनका करीब 36 घंटे का निराहार-निर्जला व्रत शुरू हो जाएगा।

इस महापर्व के तीसरे दिन व्रतधारी अस्ताचलगामी सूर्य को नदियों और तालाबों में खड़े होकर प्रथम अर्घ्य अर्पित करेंगे। व्रतधारी अस्त हो रहे सूर्य को फल और कंद मूल से अर्घ्य अर्पित करते हैं। पर्व के चौथे और अंतिम दिन नदियों और तालाबों में उदीयमान सूर्य को दूसरा अर्घ्य दिया जाएगा। दूसरा अर्घ्य अर्पित करने के बाद ही श्रद्धालुओं का करीब 36 घंटे का निराहार व्रत समाप्त होता है और वे अन्न-जल ग्रहण करते हैं।

सेहुंडा की रामलीला में मुनि विश्वामित्र ने कराया राक्षसों का संहार

प्रयागराज। जनपद के यमुनानगर तहसील बारा क्षेत्र अंतर्गत सेहुंडा में चल रही रामलीला में चौथे दिन कलाकारों के द्वारा मुनि विश्वामित्र का अयोध्या के चक्रवर्ती राजा दशरथ के राज्य में आगमन और राक्षसी ताड़का वध की लीला का शानदार मंचन किया गया। सेहुंडा में चल रही रामलीला में सुबाहु और मारीच ने लंकापति रावण के कहने पर ऋषि मुनियों के द्वारा किए जा रहे यज्ञ सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान में बिघ्न डालने का काम किया। जिस पर ऋषि विश्वामित्र ने यज्ञ की रक्षा के लिए राजा दशरथ से राम और लक्ष्मण को मांगा। राजा दशरथ राम और लक्ष्मण को भेजने में असमर्थता जताते है तो ऋषि वशिष्ठ राजा दशरथ को समझाते है, जिसके बाद राजा दशरथ राम और लक्ष्मण को भेज देते है। जहां राम और लक्ष्मण के द्वारा ताड़का का वध किया जाता है। इसकी जानकारी मिलते ही मारीच और सुबाहु आगबबूला हो जाते है, फिर राम लक्ष्मण और उनके बीच भयंकर युद्ध होता है, जिसमें भगवान श्री राम के द्वारा सुबाहु का वध एवं मारीच को 100 योजन दूर फेक दिया गया। रामलीला में हास्य कलाकार कैलाश लहरी और लल्ला यादव ने अपने खास अंदाज में दर्शकों को मनोरंजन कराया, तो वहीं व्यास का काम कर रहें मोहन लाल यादव ने लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया।

राष्ट्रीय सवर्ण पार्टी ने की पदोन्नति गौरी शंकर मिश्र बने जिला संयोजक

प्रयागराज। राष्ट्रीय सवर्ण आर्मी (भारत) ने हाल ही में जिला कोषाध्यक्ष गौरी शंकर मिश्रा को पदोन्नत कर जिला संयोजक विस्तारक यमुनानगर प्रयागराज बनाया है। यह निर्णय संगठन को मजबूत बनाने और सवर्ण समुदाय के हितों की रक्षा के लिए लिया गया है।गौरी शंकर मिश्रा की पदोन्नति से संगठन में हर्ष की लहर है। समाज सेवा के क्षेत्र में किए गए योगदान और सवर्ण समाज के प्रति उनके कार्यों की निष्ठा एवं समर्पण भाव को ध्यान में रखते हुए संगठन के संस्थापक संरक्षण एवं अध्यक्ष, राष्ट्रीय महासचिव की संस्तुति लेकर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश अनिल मिश्रा ने उनकी यमुनानगर प्रयागराज जिला संयोजक पद पर नियुक्ति की घोषणा की है। और प्रदेश अध्यक्ष ने गौरी शंकर मिश्र को उनके पद की गरिमा को ध्यान में रखते हुए सौंप गए दायित्व का पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ निर्वहन करने के लिए संगठन की बात और नीतियां मजबूती से लोगों

के सामने रखने की बात कही है।

आगे उन्होंने कहा है कि संगठन के नियम अनुसार काम करेंगे और संगठन को सशक्त बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। संगठन को पूर्ण विश्वास है कि गौरी शंकर मिश्र समाज को एक नई दिशा देंगे और संगठन को एक नई ऊर्जा प्रदान करेंगे। यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है इनका कार्यकाल 1 वर्ष का होगा। मिश्रा की नियुक्ति से संगठन को नए आयाम मिलने की उम्मीद है।राष्ट्रीय सवर्ण आर्मी (भारत) की जिला कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें गौरी शंकर मिश्रा को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह कमेटी सवर्ण समुदाय के हितों की रक्षा और संगठन को मजबूत बनाने के लिए काम करेगी।

ड्राइवर के पास लाइसेंस व गाड़ी का कागज़ नहीं

बेकाबू कचरा डंपर से गायत्रीनगर में हड़कंप, कई वाहन क्षतिग्रस्त

नागरिकों ने डंपर का कांच फोड़ा - ड्राइवर के पास लाइसेंस नहीं

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर के गायत्रीनगर रामनगर क्षेत्र में अवैध रूप से चल रहे डंपिंग ग्राउंड को लेकर पहले से नाराज स्थानीय नागरिकों में रविवार सुबह एक बार फिर आक्रोश भड़क उठा। बिना नंबर के एक कचरा डंपर का ब्रेक फेल हो गया और वह अनियंत्रित होकर सीधे रामनगर के रहिवासी परिसर में घुस गया। हादसे में सड़क किनारे खड़ी दोपहिया वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा। राहत की बात यह रही कि वहां मौजूद लोग समय रहते हट गए,जिससे बड़ी दुर्घटना टल गई।स्थानीय नागरिकों ने मौके पर डंपर चालक को पकड़ लिया। पूछताछ में चालक ने अपना नाम बंसत गायकवाड़ बताया और यह भी स्वीकार किया कि वह बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन महेश शिरके नामक व्यक्ति के यहां चला रहा है। गाड़ी के दस्तावेजों के बारे में भी उसे कोई जानकारी नहीं थी। चालक के अनुसार वह पिछले तीन महीनों से यहां डंपर चला रहा है। निवासियों का कहना है कि डंपिंग ग्राउंड से निकलने वाला जहरीला धुआं और बदबू पहले ही लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बना हुआ है। मनपा ठेकेदारों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे अधिकांश डंपर व ट्रक कबाड़ हो चुके हैं, जिनसे सड़कों पर कचरा गिरता रहता है। यही नहीं, कई वाहन चालक बिना लाइसेंस के वाहन चला रहे हैं, जिसके कारण आए दिन हादसे होते रहते हैं। स्थानीय भीड़ ने डंपर का भी कांच फोड़कर अपना आक्रोश व्यक्त किया है। सूत्रों के अनुसार शहर में रोज लगभग 400 मीट्रिक टन कचरा निकलता है, जिसकी ढुलाई के लिए पांच ठेकेदारों के पास करीब 34 वाहन चल रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि वाहन जर्जर हैं और प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा। एक निवासी महिला ने कहा कि हर साल सात से आठ लोगों की मौत कचरा ढोने वाले डंपरों की वजह से हो जाती है। यह क्षेत्र अब असुरक्षित होता जा रहा है। नाराज नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो डंपिंग ग्राउंड बंद कराने के लिए आंदोलन शुरू किया जाएगा।

कार्यालय में बिजली कर्मचारी से मारपीट, चार पर मामला दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

कोनगांव परिसर में महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी (महावितरण) के एक कर्मचारी पर कार्यालय के भीतर ही हमला करने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। घटना से बिजली विभाग के कर्मचारियों में दहशत का माहौल है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना कोनगांव अस्मिता एमआईडीसी स्थित महावितरण कंपनी के शहरी विभाग शाखा कार्यालय की है। यहां रात की पाली में ड्यूटी पर तैनात आशीष कुमार जावलकर (31) अपने नियमित कार्य में व्यस्त थे। तभी मध्यरात्रि के आसपास अजय नाइक, प्रमोद लाड, टोनी सिंग और संदीप सोन कांबले कार्यालय में पहुंचे। बताया जाता है कि किसी विवाद को लेकर अजय नाइक ने अचानक आशीष पर हमला कर दिया।शिकायत में कहा गया है कि अजय के साथ आए अन्य लोगों ने भी मारपीट में शामिल होकर हाथ में पहनी धातु की कड़ियों सहित लात-घूंसों से आशीष को घायल कर दिया। हमले के दौरान कार्यालय में अफरा-तफरी मच गई। सहकर्मियों ने किसी तरह घायल आशीष को छुड़ाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।सूचना मिलते ही कोनगांव पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई। पीड़ित की शिकायत के आधार पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों पर सरकारी काम में बाधा डालने, गाली-गलौज करने और मारपीट करने सहित संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज किया गया है। महावितरण के कर्मचारियों ने कहा कि इस तरह की घटनाएं सरकारी कामकाज को प्रभावित करती हैं और सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े करती हैं। कर्मचारियों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश जारी है।

टैंकर से टकराई बाइक, बाप-बेटा गंभीर

भिवंडी। शहर में बदहाल सड़कों का खामियाज़ा एक बार फिर मासूम और उसके पिता को भुगतना पड़ा। एसटी स्टैंड से गायत्रीनगर तक जाने वाले रोड पर देर शाम हुए हादसे में बाइक सवार बाप-बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के मुताबिक फैज़ अशफाक अंसारी (40) अपने चार वर्षीय बेटे फ़राज़ को साथ लेकर मोटरसाइकिल से घर जा रहे थे। रास्ते में सड़क पर बने गहरे गड्ढों ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दीं। बाइक का संतुलन बिगड़ते ही पास से गुजर रहे पानी के टैंकर से जोरदार टक्कर हो गई। दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि दोनों सड़क पर बुरी तरह गिर पड़े। हादसे में छोटे फ़राज़ के सिर में गंभीर चोटें आईं। उसे तुरंत मुंबई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर उसकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। फैज़ अंसारी भी गंभीर रूप से घायल हैं और उनका उपचार जारी है,स्थानीय नागरिकों ने कहा कि इस मार्ग पर लंबे समय से गड्ढों की समस्या बनी हुई है, लेकिन मरम्मत की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। लोगों ने प्रशासन से मांग की कि जल्द से जल्द सड़क को दुरुस्त कर दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जाए, ताकि किसी और परिवार को इस दर्दनाक स्थिति का सामना न करना पड़े।

प्रेमानंद महाराज की पदयात्रा में झूमे भक्त, दर्शन के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं का सैलाब

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रेमानंद महाराज के भक्तों के लिए खुशखबरी है। दरअसल, महाराज जी कई दिनों के अंतराल के बाद अब फिर से अपनी पदयात्रा शुरू दिए हैं। उनका दर्शन करने के लिए हर रोज हजारों की संख्या में श्रद्धालु मथुरा के वृंदावन में आते हैं।

पिछले दिनों महाराज जी स्वास्थ्य कारणों की वजह से पदयात्रा नहीं कर रहे थे, लेकिन अब यह पदयात्रा अब श्री कृष्णम सोसाइटी से शुरू होकर श्री हित राधा केली कुंज तक बढ़ी हुई दूरी के साथ आयोजित की गई, जिससे भक्तों को अपने प्रिय संत के सान्निध्य में अधिक समय तक रहने का अवसर मिला। पदयात्रा की दूरी बढ़ाए जाने से भक्तों की खुशी दोगुनी हो गई।

कुछ महीने पहले प्रेमानंद महाराज ने अपने सोशल मीडिया के माध्यम से पदयात्रा बंद करने की सूचना दी थी, जिससे भक्तों में मायूसी छा गई थी। हालांकि दीपावली के बाद आज जब उन्होंने अपनी पारंपरिक डेढ़ से दो किलोमीटर लंबी पदयात्रा शुरू की, तो श्रद्धालुओं के चेहरों पर मुस्कान लौट आई।

भिवंडी में उर्दू घर के निर्माण को मिली सफलता, सरकार ने दी भूमि आवंटन की मंजूरी

उपमुख्यमंत्री अजित पवार की बैठक जल्द संभव

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। उर्दू भाषा और संस्कृति से प्रेम के लिए प्रसिद्ध भिवंडी शहर के लोगों का लंबे समय से देखा गया सपना अब साकार होने जा रहा है। भिवंडी (पूर्व) के समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख की पाँच वर्षों की अथक मेहनत और निरंतर प्रयासों के बाद महाराष्ट्र सरकार ने भिवंडी शहर में उर्दू घर के निर्माण के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उर्दू घर की स्थापना में कई तकनीकी और कानूनी बाधाएँ आ रही थीं, जिन्हें विधायक रईस शेख ने अपने प्रयासों से दूर किया। उन्होंने भिवंडी के उर्दू प्रेमियों के लिए एक बड़ी सफलता हासिल की है।

भिवंडी शहर में उर्दूभाषी आबादी का बहुमत होने के बावजूद, वर्षों से सरकार की ओर से उर्दू घर की माँग की अनदेखी की जाती रही थी। लेकिन वर्ष 2021 में रईस शेख ने इस दिशा में ठोस पहल की और भिवंडी के नागरिकों के इस पुराने सपने को साकार करने की जंग

शुरू की। कई कठिनाइयों और कानूनी प्रक्रियाओं के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार प्रयास जारी रखे। अब पाँच साल की लंबी जद्दोजहद के बाद आखिरकार सरकार ने भिवंडी में उर्दू घर निर्माण की मंजूरी और भूमि आवंटन कर दिया है।

विधायक रईस शेख ने बताया कि भिवंडी शहर, जो मुंबई के निकट एक मुस्लिम-बहुल औद्योगिक क्षेत्र है, पूरे देश में 'मैनचेस्टर ऑफ इंडिया' के नाम से जाना जाता है। यह मेहनतकश मजदूरों का शहर है जहाँ बड़ी संख्या में उर्दू भाषी लोग निवास करते हैं। भिवंडी में अनेक सरकारी और निजी उर्दू स्कूल संचालित हैं, जहाँ हज़ारों विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इसके अलावा यहाँ के विद्यार्थी यशवंतराव चव्हाण विश्वविद्यालय, मौलाना आज़ाद विश्वविद्यालय और अन्य संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2021 में उन्होंने तत्कालीन अल्पसंख्यक मंत्री नवाब मलिक से मुलाकात कर भिवंडी में उर्दू घर के निर्माण हेतु एक लिखित प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। उस समय सरकार की शर्तों के अनुसार, अल्पसंख्यक विभाग के पास स्वयं की 2500 वर्गमीटर भूमि होना आवश्यक था। इसके लिए प्रयास करते हुए उन्होंने भिवंडी शहर में स्कूल नंबर 22-62 के सामने स्थित ग्राम पंचायत समिति की भूमि को इस परियोजना के लिए प्राप्त किया। अब सरकार की ओर से उसी भूमि पर उर्दू घर निर्माण के लिए औपचारिक स्वीकृति और भूमि आवंटन दे दिया गया है। रईस शेख ने कहा कि उन्होंने इस विषय में राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार को एक पत्र भेजा है और उनके नेतृत्व में संबंधित विभागों की बैठक बुलाने का अनुरोध किया है। उम्मीद है कि जल्द ही उपमुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की जाएगी, जिसके बाद भिवंडी में उर्दू घर के निर्माण का सपना हकीकत बनेगा।

प्रेग्नेंट होने के लिए पत्नी का कराया झाड़-फूंक, ओझा ने कर दिया कांड, फिर पति ने दी खौफनाक सजा

लखनऊ **(एजेंसी)**। इंसान कभी-कभी किसी चीज की चाहत में अंधविश्वास की चपेट में आ जाता है। बाबाओं पर विश्वास पर अक्सर लोग झांड़ फूंक कराते हैं और बाद में पता चलता है कि यह सब फेक है। अब ऐसा एक और मामला यूपी के जौनपुर जिले से सामने आया है। दरअसल, यहां पर संतान की चाहत पूरी न होने पर झाड़फूंक करने वाले सोखा (ओझा) की हत्या कर दी गई। झाड़ियों में मिले अज्ञात शव की शिनाख्त करने के बाद पुलिस ने इस हत्याकांड का खुलासा किया है।

आपको बता दें कि यह पूरा मामला जिले के सुजानगंज थाना क्षेत्र के बाबूगंज बाजार का है। मिली जानकारी के अनुसार, हत्यारोपी त्रिवेणी पाठक, राजाराम और सत्तन वाराणसी में माला फूल बेचने का काम करते हैं। सुल्तानपुर जिले के चांदा क्षेत्र निवासी सत्तन की पत्नी को करीब दस साल से बच्चा नहीं हो रहा था। वाराणसी से सोखा बसंतू पाल के बारे में जानकारी होने के बाद तीनों एक दूसरे की मदद से ओझा के संपर्क में आए।

दंपत्ति का आंगन सूना था वह भी चाहते थे कि उनके घर में किलकारी गूंजे इसलिए सोखा बसंतू पाल के पास जाने के बाद सत्तन ने हर उपाय किया. इसके लिए झाड़फूंक करने वाले सोखा के कहने के अनुसार उसे काफी पैसे भी दिए थे. लेकिन इन सबके बावजूद जब सत्तन की पत्नी को संतान नहीं हुई तो बात बिगड़ गई। फिर उसने अपने पैसे वापस लेने की बात कही। चूंकि सत्तन, त्रिवेणी और राजाराम की मदद से सोखा बसंतू के संपर्क में आया था. इसलिए सत्तन उन दोनों पर भी पैसे वापस दिलाने का दबाव बनाने लगा. जिसके बाद त्रिवेणी पाठक और राजाराम ने योजना बनाकर सोखा की हत्या कर दी। पुलिस को गुमराह करने के लिए शव झाड़ियों में फेंक दिया गया था।

वहीं, शव बरामद होने के बाद से पुलिस जांच में जुट गई और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। जबकि, तीसरा आरोपी सत्तन फरार है उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगी हैं।

काकोरी पेशाब कांड पर सियासी बवाल, सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने सरकार से मांगा जवाब

लखनऊ **(एजेंसी)**। राजधानी के काकोरी में हुए पेशाब कांड ने पूरे उत्तर प्रदेश की राजनीति में भूचाल ला दिया है। एक 65 वर्षीय दलित बुजुर्ग के साथ मंदिर में अमानवीय व्यवहार ने न सिर्फ समाज में आग लगा दी है, बल्कि राजनीतिक दलों को भी एक-दूसरे पर हमले का नया मौका दे दिया है,, , एक तरफ जहां सपा और कांग्रेस ने योगी सरकार को दलित विरोधी करार दिया, वहीं दूसरी ओर बीजेपी ने पीड़ित परिवार को सरकारी सहायता देकर अपना बचाव किया है।

बता दें कि पेशाब कांड को लेकर जहां बीजेपी डिफेंस मूड में वहीं विपक्ष इस मुद्दे को लेकर आक्रामक रूप अपनाए हुए है...अगर बात करें फैजाबाद लोकसभा से सपा सांसद अवधेश प्रसाद की तो,, , लखनऊ में धरना प्रदर्शन के बाद अयोध्या पहुंचे और बाकायदा प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर भाजपा भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए,, , वहीं दूसरी तरफ लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती समारोह की बैठक करने अयोध्या

पहुंचे प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने अवधेश प्रसाद के इस बयान को लेकर कहा कि वह अपनी सरकार में हुए उत्पीड़न को याद करें।

बता दें कि सांसद अवधेश प्रसाद ने सीएम योगी पर निशाना साधते हुए कहा कि जब से भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार प्रदेश में और केंद्र में सत्तारूढ़ हुई है तब से दलितों पर पिछड़ों पर और कमजोरों पर अत्याचार बढ़ रहा है, और उत्तर प्रदेश में जहां के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं दलित उत्पीड़न में रिकॉर्ड कायम किया है। वहीं उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस का एक बहुत ही नामी कार्यकर्ता है जिसने 70 साल के बुजुर्ग को बेइज्जत किया, शब्द का इस्तेमाल किया और गर्दन पर लात रखकर पेशाब चाटने के लिए मजबूर किया।

वहीं दूसरी तरफ सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती समारोह के संदर्भ में बैठक करने अयोध्या पहुंचे प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने अवधेश प्रसाद के इस बयान को लेकर कहा कि अत्याचार तो उन्हीं लोगों ने किया था यह तो आपको याद होगा, राय पट्टी वाला मामला तो आप लोग को याद ही होगा और उससे बड़ा अत्याचार क्या हो सकता है।

खैर, काकोरी पेशाब कांड ने न केवल समाज में आक्रोश पैदा किया है, बल्कि राजनीतिक मोर्चे पर भी हलचल मचा दी है,, , अब सवाल यह है कि सरकार और प्रशासन इस मामले में कब और कैसे कार्रवाई करेंगे, ताकि पीड़ितों को न्याय मिले और ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोका जा सके।

लिफ्ट के बहाने कार सवार युवकों ने छात्रा से किया गैंगरेप, 4 दिन तक रखा बंधक

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश की राजधानी लखनऊ से एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। विकासनगर थाना क्षेत्र में 18 वर्षीय इंटरमीडिएट छात्रा के साथ कार सवार युवकों ने लिफ्ट के बहाने गैंगरेप किया। दरिंदों ने चाय में नशीला पदार्थ मिलाकर छात्रा को बेहोश कर दिया और फिर फ्लैट में ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया।

जानकारी के मुताबिक पीड़िता 15 अक्टूबर को घरवालों से नाराज होकर घर से निकली थी। दिनभर वह सहेली के साथ रही और देर रात ऑटो से लौट रही थी। इस दौरान खुर्रमनगर के पास ऑटो चालक रास्ता भटक गया, जिससे छात्रा ऑटो से उतर गई। तभी एक कार रुकी जिसमें दो युवक सवार थे। उन्होंने छात्रा को विकासनगर तक लिफ्ट देने का ऑफर दिया। पहले तो छात्रा ने मना किया, लेकिन युवकों ने भरोसा दिलाया और उसे कार में बैठा लिया। रास्ते में युवकों ने चाय में नशीला

पदार्थ मिलाकर पिलाया, जिससे छात्रा बेहोश हो गई।

बेहोशी की हालत में युवकों ने छात्रा को एक फ्लैट में ले जाकर गैंगरेप किया। कुछ देर बाद एक तीसरा युवक भी वहां पहुंचा और उसने भी छात्रा से दुष्कर्म किया। इसके बाद छात्रा को चार दिनों तक बंधक बनाकर रखा गया। किसी तरह मौका पाकर वह वहां से भागी और घर पहुंची।शुरुआत में डर की वजह से उसने किसी को कुछ नहीं बताया, लेकिन जब आरोपी जुनैद ने फोन और मैसेज से धमकियां दीं, तो छात्रा ने परिजनों को पूरी बात बताई।

पीड़िता की शिकायत पर मड़ियांव थाना पुलिस ने केस दर्ज किया। इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्र ने बताया कि पुलिस ने दो नामजद आरोपी अंशुमान और जुनैद को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तीसरा आरोपी शिवांश फरार है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और उन्हें जेल भेजा गया है।

69000 शिक्षक अभ्यर्थियों ने बसपा सुप्रीमो से मांगी मदद

कहा- हमारे भरोसे की आखिरी उम्मीद आप, सीएम योगी से करें बात

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 69, 000 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों ने बसपा सुप्रीमो मायावती के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने अपनी नियुक्तियों की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी की और मायावती से प्रदेश सरकार से बात कर समाधान निकालने की अपील की।

प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने कहा कि मायावती हमेशा से बहुजन समाज की आवाज रही हैं और उन्होंने दलितों, पिछड़ों और गरीब वर्ग के लिए हर स्तर पर संघर्ष किया है। ऐसे में उन्हें उम्मीद है कि जिस तरह मायावती सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की चर्चा कर रही हैं, वैसे ही वह उनके मुद्दे को भी उठाएंगी। एक अभ्यर्थी ने कहा, 'हम मायावती जी के पास इसलिए आए हैं

क्योंकि वह हमारी बिरादरी से हैं और हमेशा बहुजन समाज के हित के लिए खड़ी रहती हैं। अगर वह प्रदेश सरकार से बात करेंगी तो कोई न कोई रास्ता जरूर निकलेगा।

अभ्यर्थियों का कहना है कि 69, 000 शिक्षक भर्ती परीक्षा के परिणाम आने के बावजूद अब तक सभी अभ्यर्थियों की नियुक्ति पूरी नहीं हो पाई है, जिससे हजारों युवा बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं। प्रदर्शनकारी मांग कर रहे हैं कि शेष अभ्यर्थियों को जल्द नियुक्ति पत्र दिए जाएं ताकि वे भी शिक्षण कार्य में योगदान दे सकें।

प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थियों ने कहा कि उनका आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से किया जा रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी। हालांकि, अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी कि अगर जल्द उनकी बात नहीं सुनी गई, तो वे राजधानी में बड़े स्तर पर प्रदर्शन करेंगे।

महिला विश्व कप : इंग्लैंड की न्यूजीलैंड पर आसान जीत, सोफी डिवाइन की विदाई रही फीकी

विशाखापत्तनम **(एजेंसी)**। इंग्लैंड ने अपने स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन और एमी जोन्स की नाबाद अर्धशतकीय पारी की बदौलत रविवार को महिला विश्व कप के मुकाबले में न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हराया। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन की विदाई को यादगार नहीं बनने दिया।

न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने अपने अंतिम वनडे में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन टीम 38.2 ओवर में मात्र 168 रन पर सिमट गई। युवा बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिमर (43) और अमेलिया केर (35) ने दूसरे विकेट के लिए 68 रन जोड़े, लेकिन इसके बाद इंग्लैंड के स्पिनरों ने कसी हुई गेंदबाजी से मैच पलट दिया।

डिवाइन ने अपने वनडे करियर की आखिरी पारी में 35 गेंदों पर 23 रन बनाए और स्टंप आउट हो गई। पवेलियन लौटते समय इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की खिलाड़ियों ने तालियां बजाकर उनका सम्मान किया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने सिर्फ दो विकेट खोकर 172 रन बनाए और 124 गेंदें शेष रहते जीत दर्ज की। एमी जोन्स ने 92 गेंदों पर नाबाद 86 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 11 चौके और एक छक्का शामिल था। उन्होंने टैमी ब्यूमोंट (40) के साथ पहले विकेट के लिए 75 रन और हीथर नाइट (33) के साथ 83 रन की साझेदारी की।

इस जीत से इंग्लैंड के अब 11 अंक हो गए हैं और वह ऑस्ट्रेलिया के बाद अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। टीम पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है, जहां उसका सामना 29 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका से होगा। न्यूजीलैंड मात्र चार अंक के साथ छठे स्थान पर रहा और उसका अभियान यहीं समाप्त हो गया। डिवाइन का 15 साल लंबा वनडे करियर इसी मैच के साथ खत्म हुआ।

आईपीएल 2026 से पहले केकेआर ने किया बड़ा बदलाव, पूर्व भारतीय क्रिकेटर को बनाया मुख्य कोच

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आईपीएल 2026 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने अभिषेक नायर को मुख्य कोच के रूप में नियुक्त किया है। नायर, जो पहले टीम में सहायक कोच और अकादमी हेड के रूप में काम कर चुके हैं, अब पूरी टीम की कोचिंग जिम्मेदारी संभालेंगे। यह बदलाव केकेआर के कोचिंग ढांचे में नए युग की शुरुआत माने जा रहा है।

नायर का केकेआर के साथ पुराना नाता रहा है। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने और टीम की रणनीति में सुधार लाने में अहम योगदान दिया है। दिनेश कार्तिक, श्रेयस अय्यर और अन्य युवा भारतीय प्रतिभाओं के करियर में उनकी मार्गदर्शन की छाप साफ दिखाई देती है।

पूर्व मुंबई ऑलराउंडर अभिषेक नायर ने भारतीय घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया और 2009 में तीन वनडे खेले। रिटायरमेंट के बाद नायर ने कोचिंग में कदम रखा और कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को संभाला। उनके विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण और शांत नेतृत्व शैली ने उन्हें आईपीएल में उच्च सम्मान दिलाया है।

अब मुख्य कोच बनने के बाद नायर के सामने चुनौती है कि केकेआर को आईपीएल 2026 में फिर से खिताब के दावेदार बनाएं। उनकी आधुनिक क्रिकेट की समझ, रणनीतिक कौशल और खिलाड़ी मनोविज्ञान की समझ टीम के प्रदर्शन में सुधार ला सकती है।

केकेआर का यह कदम टीम में निरंतरता और होमग्रोन लीडरशिप पर भरोसा दर्शाता है। नायर के अनुभव और कोचिंग दृष्टिकोण से केकेआर के खिलाड़ियों को नई दिशा मिलेगी और टीम में नई ऊर्जा का संचार होगा।

हां मैंने आलोचना की थी, लेकिन हार्षित राणा का प्रदर्शन शानदार रहा : क्रिस श्रीकांत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के तेज गेंदबाज हार्षित राणा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने आलोचकों को चुप करा दिया। 23 साल के राणा ने अपनी वनडे करियर की बेस्ट 4/39 गेंदबाज़ी के साथ भारत को 9 विकेट की जीत दिलाई और पूर्व चयनकर्ता व 1983 विश्व कप विजेता सदस्य क्रिस श्रीकांत भी फैन बन गए।

कुछ हफ्ते पहले श्रीकांत ने राणा को गौतम गंभीर का 'यस मैन' कहकर आलोचना की थी। हालांकि अब उन्होंने कहाः 'हार्षित राणा ने शानदार गेंदबाज़ी की। चार विकेट लेना एक बड़ी उपलब्धि है। मेरा पसंदीदा विकेट ओवेन का था। उसने बेहतरीन लाइन और लेंथ में गेंदबाज़ी की। पिछले मैच में उसे मार गिराया गया था, लेकिन इस मैच में उसने डैथ ओवर में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। आज हार्षित को सारी तारीफ मिलनी चाहिए।'

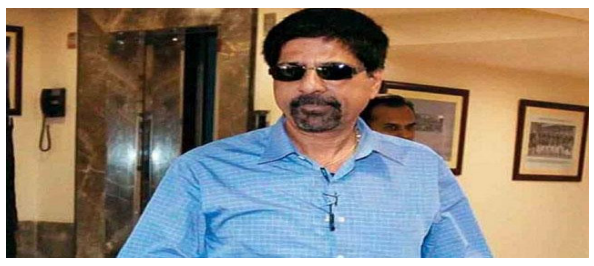

राणा ने एडेलेड में भी 18 गेंद में नाबाद 24 रन बनाकर अपनी बल्लेबाज़ी क्षमता दिखाई थी। कप्तान शुभमन गिल ने भी उनकी तारीफ की और कहा कि राणा 2027 वनडे वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका की बाउंसी पिचों पर तीसरे तेज़ गेंदबाज़ और च.8 पर बल्लेबाज़ के रूप में टीम के लिए अहम साबित हो सकते हैं।

पूर्व कप्तान और वर्तमान कोच गौतम गंभीर ने भी राणा के बचपन के आलोचकों को लताड़ लगाई और कहा कि किसी 23 वर्षीय खिलाड़ी पर व्यक्तिगत हमला करना गलत है। 'उसका प्रदर्शन ही मापदंड होना चाहिए। किसी को सोशल मीडिया पर निशाना बनाना उसके मनोबल पर असर डालता है। राणा ने अपनी मेहनत और काबिलियत से टीम में जगह बनाई है और आगे भी बनाए रखेगा।'

गौर है कि तीसरे वनडे में भारत की ओर से रोहित शर्मा (121) और विराट कोहली (74) की बेहतरीन पारियों की बदौलत टीम ने 237 रन का लक्ष्य 69 गेंदें शेष रहते हासिल कर लिया।

हैरी ब्रूक के शानदार शतक के बावजूद इंग्लैंड को हार, न्यूजीलैंड ने 4 विकेट से दी मात

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। माउंट माउंगानुई (न्यूजीलैंड): न्यूजीलैंड ने रविवार को खेले गए पहले वनडे मुकाबले में इंग्लैंड को 4 विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल की।

इंग्लैंड द्वारा दिए गए 224 रन के लक्ष्य को न्यूजीलैंड ने 13.2 ओवर शेष रहते हासिल कर लिया। शुरुआत में न्यूजीलैंड का टॉप ऑर्डर लड़खड़ा गया था, लेकिन माइकल ब्रेसवेल (51) और डैरिल मिचेल (नाबाद 78) की शानदार पारियों ने टीम को जीत दिलाई। इंग्लैंड की ओर से ब्राइडन कार्स ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पहले ही ओवरों में विल यंग और केन विलियमसन को लगातार गेंदों पर आउट किया। ल्यूक वुड ने रचिन रविंद्र को पवेलियन भेजा, जिससे न्यूजीलैंड का स्कोर 24/3 हो गया। इसके बाद टॉम लैथम (28) और मिचेल ने 42 रनों की साझेदारी की, लेकिन कार्स ने लैथम को एलबीडब्ल्यू आउट कर इंग्लैंड को बढ़त दिलाई। हालांकि, इसके बाद ब्रेसवेल और मिचेल ने मिलकर 92 रनों की साझेदारी कर मैच को पूरी तरह न्यूजीलैंड के पक्ष में कर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की टीम 223 रन पर सिमट गई। हैरी ब्रूक ने शानदार 135 रनों की पारी खेली, जिसमें 11 छक्के शामिल थे। उनके अलावा जेमी ओवरटन (46) ने सहयोग किया। न्यूजीलैंड की ओर से जकारी फॉल्क्स ने 4 विकेट झटके।

रोहित और कोहली होंगे 2027 डब्ल्यूसी में टीम इंडिया के बड़े हथियार : भारतीय पूर्व चयनकर्ता

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पूर्व भारतीय मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने दिग्गज बल्लेबाज़ रोहित शर्मा और विराट कोहली की टीम इंडिया के लिए 2027 वनडे वर्ल्ड कप में अहम भूमिका निभाने की पुष्टि की है। प्रसाद ने कहा कि यह अनुभवी जोड़ी टीम के लिए बड़े संपत्ति साबित होगी। तीसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, रोहित और विराट ने शानदार बल्लेबाज़ी का प्रदर्शन किया और भारत को 9 विकेट से जीत दिलाकर सीरीज में वाइटवॉश से बचाया। रोहित ने 121 रन बनाकर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और वनडे में अपना 33वां शतक जड़ा। विराट कोहली ने पिछली दो पारियों में लगातार डक के बाद वापसी करते हुए 74 रन बनाए और कुमार संगकारा को पीछे छोड़ते हुए पुरुषों के वनडे में दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। प्रसाद ने कहा, 'मैं बेहद खुश हूं। पिछले दो मैचों में उनके प्रदर्शन का इंतजार था। यह विश्व कप की तैयारी में बहुत अहम है। विराट और रोहित जैसे खिलाड़ी टीम के लिए बड़े संसाधन हैं।'

उन्होंने कहा कि दोनों बल्लेबाज़ों के पिछले रिकॉर्ड और फिटनेस को देखते हुए उन्हें केवल वर्तमान फॉर्म से आंका नहीं जा सकता। प्रसाद ने यह भी सराहा कि रोहित, विराट और रवींद्र जडेजा ने सही समय पर अगली पीढ़ी को जिम्मेदारी संभालने का मौका दिया। 'टीम में इतनी प्रतिभा है कि श्रेस्अयर इयेर जैसी खिलाड़ी भी टी -20 टीम में जगह नहीं पा रहे हैं। यह दर्शाता है कि टीम के पास बहुत गहराई है और युवा खिलाड़ी अब मजबूती से अपनी पहचान बना रहे हैं।' प्रसाद ने टी -20 फॉर्मेट में टीम की मजबूती और प्रतिभा के पूल की भी तारीफ की, यह बताते हुए कि भारत के पास आने वाले समय के लिए मजबूत टीम है।

शानदार स्कीम! पोस्ट ऑफिस की ये धांसू स्कीम देगी आपको जबरदस्त रिटर्न, इतने का निवेश करके हर महीने पाएं हज़ारों

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। हर व्यक्ति अपनी बचत को ऐसी जगह निवेश करना चाहता है जहाँ पैसा सुरक्षित रहे और साथ ही जबरदस्त रिटर्न भी मिले। इस मामले में पोस्ट ऑफिस द्वारा संचालित सेविंग स्कीम्स खासी लोकप्रिय हैं। इनमें से एक विशेष योजना है पोस्ट ऑफिस सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम जो खासकर बुजुर्गों के लिए डिज़ाइन की गई है। यह स्कीम न केवल सुरक्षा की गारंटी देती है बल्कि इसमें हर महीने नियमित इनकम की सुविधा मिलती है। इस योजना में एकमुश्त ?30 लाख का निवेश करके आप अकेले ब्याज से ही हर महीने ?20,500 कमा सकते हैं जिससे रिटायरमेंट के बाद की आर्थिक चिंता खत्म हो जाती है। सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम अपनी इसी खासियत के लिए डाकघर की तमाम बचत योजनाओं में सबसे पॉपुलर है। यह योजना रिटायरमेंट के बाद आर्थिक परेशानियों से बचने के लिए एकमुश्त निवेश कर हर महीने 20,000 रुपये से अधिक की कमाई पक्की करती है। सरकार की ओर से इस योजना में जमा पर 8.2इ की सालाना ब्याज दर दी जाती है। यह दर कई बैंकों के फिक्स्ड डिपॉजिट की तुलना में काफी अधिक है।इस स्कीम में किए गए निवेश पर आयकर अधिनियम की धारा 80ण के तहत ?1.5 लाख तक की टैक्स छूट भी मिलती है।

मोहम्मद कैफ ने किया रोहित-कोहली का समर्थन

कहा- लोग उनकी हार का इंतजार कर रहे हैं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने भारतीय बल्लेबाजी के दिग्गजों रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए समर्थन जताते हुए कहा कि कुछ चयनकर्ता और मीडिया उनके फेल होने का इंतजार कर रहे हैं, ताकि उन्हें 2027 वनडे वर्ल्ड कप से पहले टीम से बाहर किया जा सके।

कैफ ने कहा कि रोहित और विराट अनुभव और शानदार तकनीक के कारण दक्षिण अफ्रीका की तेज़ पिचों पर टीम के लिए बेहद जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद, वनडे ही एकमात्र ऐसा फॉर्मेट है जहां दर्शक उनके मास्टरक्लास का आनंद ले सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में खेले गए तीन वनडे में, रोहित और विराट ने आलोचकों को चुप कराते हुए अपनी क्लासिक बल्लेबाज़ी दिखाई। कप्तान शुभमन गिल का 26 रन का प्रदर्शन कमज़ोर रहा, लेकिन रोहित और विराट ने मिलकर 237 रनों का लक्ष्य आसानी से हासिल कर भारत को 9 विकेट की शानदार जीत दिलाई।

कैफ ने कहा, 'उनके मन में हमेशा यह ख्याल रहेगा कि लोग बस उनकी हार का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन विराट और रोहित दोनों में जबरदस्त जिद और फोकस है। वे इस फॉर्मेट में अपने तरीके से खेलना चाहते हैं, ताकि कोई उन्हें टीम से बाहर न कर सके।' 168 रनों की इस साझेदारी में अनुभव, साहस और समझदारी का बेहतरीन मिश्रण देखा गया। कैफ का मानना है कि रोहित और विराट 2027 वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका के लिए टीम इंडिया का अहम हिस्सा होने चाहिए।

'साउथ अफ्रीका की तेज और बाउंसी पिचों पर रोहित और विराट होना जरूरी है। उम्र सिर्फ एक नंबर है, असली काबिलियत वही है जो मैदान पर दिखाई देती है। लोग रोहित और विराट का समर्थन इसलिए करते हैं क्योंकि उन्होंने कभी गलत कुछ नहीं किया।'

गौर है कि तीसरे वनडे में भारत की ओर से रोहित शर्मा (121) और विराट कोहली (74) की बेहतरीन पारियों की बदौलत टीम ने 237 रन का लक्ष्य 69 गेंदें शेष रहते हासिल कर लिया।

एलआईसी ने 'वॉशिंगटन पोस्ट' की रिपोर्ट को बताया झूठा, कहा- भारत की छवि खराब करने की साजिश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अमेरिकी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट को पूरी तरह खारिज कर दिया है। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि मई 2025 में भारतीय अधिकारियों ने एक प्रस्ताव तैयार किया था, जिसके तहत एलआईसी से करीब 3.9 अरब डॉलर (लगभग 34,000 करोड़ रुपए) अडानी समूह की कंपनियों में निवेश कराने की योजना बनाई गई थी। एलआईसी ने इस रिपोर्ट को 'झूठा, भ्रामक और भारत के वित्तीय क्षेत्र की प्रतिष्ठा को धूमिल करने वाला' बताया है। कंपनी ने कहा कि उसके निवेश निर्णय पूरी तरह स्वतंत्र और पेशेवर नीतियों के तहत लिए जाते हैं।

एलआईसी के बयान में कहा गया, 'वॉशिंगटन पोस्ट द्वारा लगाए गए आरोप कि एलआईसी के निवेश निर्णयों को बाहरी कारक प्रभावित करते हैं, निराधार और सच्चाई से कोसों दूर हैं। लेख में जैसा दावा किया गया है, वैसा कोई भी दस्तावेज या योजना एलआईसी ने कभी तैयार नहीं की।' कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि वित्तीय सेवा विभाग या किसी अन्य सरकारी निकाय की उसके निवेश निर्णयों में कोई भूमिका नहीं होती। सभी फैसले बोर्ड द्वारा स्वीकृत नीतियों के अनुसार और विस्तृत जांच-पड़ताल के बाद लिए जाते हैं। अडानी ग्रुप ने भी वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट को पूरी तरह गलत बताया। ग्रुप ने कहा कि वह किसी भी सरकारी योजना का हिस्सा नहीं है और एलआईसी ने अन्य कई कंपनियों की तरह ही अडानी समूह में भी निवेश किया है। ग्रुप ने यह भी बताया कि एलआईसी ने अडानी के पोर्टफोलियो से अच्छा मुनाफा कमाया है, इसलिए इसे किसी 'विशेष तरजीह' के रूप में दिखाना भ्रामक और अनुचित है।

कन्नड़ एक्ट्रेस दिव्या सुरेश का हिट एंड रन! महिला का पैर तोड़ा, गाड़ी छोड़ भागी एक्ट्रेस, सीसीटीवी में कैद हुई दिल दहला देने वाली घटना

अभिनेत्री और पूर्व बिग बॉस प्रतियोगी दिव्या सुरेश द्वारा कथित तौर पर चलाई जा रही एक कार बेंगलुरु के ब्यातारायणपुरा इलाके में एक हिट-एंड-रन घटना में शामिल थी, जिसमें एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। सीसीटीवी में कैद हुई यह घटना 4 अक्टूबर को सुबह करीब 1.30 बजे हुई, जब तीन लोग मोटरसाइकिल पर अस्पताल जा रहे थे। बाइक सवार तीनों लोगों की पहचान अनुषा, अनीता और किरण के रूप में हुई है। शिकायत के अनुसार, बाइक सवार ने भौंकते आवारा कुत्तों से बचने के लिए अपनी गाड़ी थोड़ा मोड़ी, और तभी सुरेश द्वारा चलाई जा रही कार उनसे टकरा गई।

अनीता के घुटने में फ्रैक्चर के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जबकि बाकी लोग मामूली रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों और रिश्तेदारों ने इस घटना को टक्कर मारकर भागना बताया और कहा कि ड्राइवर पीड़ितों की मदद के लिए नहीं रुका। पीड़िता के चचेरे भाई ने कहा, 'अस्पताल जाते समय, ब्यातारायणपुरा पुलिस स्टेशन के पास, एक काली किआ कार में सवार एक महिला ने रुकने के लिए कहने के बावजूद टक्कर मारकर भाग गई।'

टक्कर के बाद, पुलिस ने गंभीर रक्तस्राव की आशंका के चलते घायलों को जल्दी से अस्पताल ले जाने की सलाह दी। घायल महिला को पहले न्यू लाइफ अस्पताल और फिर आगे के इलाज के लिए बीजीएस अस्पताल ले जाया गया। घटना के दो-तीन दिन बाद शिकायत दर्ज की गई, जिसके बाद पुलिस ने जाँच शुरू की और दिव्या सुरेश को कथित ड्राइवर के रूप में पहचाना।

अनीता की चोटों के लिए बीजीएस अस्पताल में सर्जरी की आवश्यकता थी, जिसकी लागत लगभग 2 लाख रुपये थी। उनके परिवार के अनुसार, घुटने की गंभीर चोट के कारण उन्हें लंबे समय तक बिस्तर पर रहना पड़ेगा। अनीता और अनुषा के साथ कार में बैठी किरण ने 7 अक्टूबर को एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। परिवार ने आरोप लगाया कि दिव्या सुरेश ने दुर्घटना के बाद से पीड़िता से संपर्क नहीं किया है और न ही कोई सहायता की पेशकश की है।

चचेरी बहन ने बताया कि जब वे अपने बीमार रिश्तेदार को अस्पताल ले जा रहे थे, तो कार ने उन्हें टक्कर मार दी और मदद के लिए पुकारने के बावजूद घटनास्थल से भाग गई। पुलिस ने घायल महिला को ले जाने के लिए एक ऑटो का इंतजाम किया, लेकिन परिवार ने दावा किया कि दिव्या सुरेश से कोई संपर्क नहीं हुआ।

ब्यातारायणपुरा ट्रैफिक पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज की और जाँच शुरू कर दी। सीसीटीवी फुटेज से दिव्या सुरेश तक पहुँचने में मदद मिली और जाँच के तहत उनकी कार को ज़ब्त कर लिया गया है।

साइबर अपराध विभाग के पुलिस अधीक्षक अनूप शेट्टी ने कहा कि संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और दोनों पक्षों ने शिकायत दर्ज कराने में देरी की। जाँच में पता चला कि ड्राइवर दिव्या सुरेश थी और आगे की जाँच जारी है। शुरुआती जांच से पता चला है कि बाइक सवार तीन लोगों पर सवार थे और तेज़ गति से गाड़ी चलाना भी एक कारण हो सकता है, लेकिन सटीक कारण की अभी जाँच चल रही है।

'एक दीवाने की दीवानियत' की सफलता पर हर्षवर्धन राणे बोले, 'दर्शकों ने बॉलीवुड से नेपोटिज्म खत्म कर दिया'

युवाओं के दिलों पर राज करने वाले हर्षवर्धन राणे बॉक्स ऑफिस पर अपनी फिल्म को लेकर छाए हुए हैं। बॉलीवुड में काफी समय तक संघर्ष करने के बाद हर्षवर्धन राणे ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है। एक्टर की कल्ट क्लासिक फिल्म 'सनम तेरी कसम' इस साल की शुरुआत में दोबारा रिलीज होने पर बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई। अब, उनकी हालिया रिलीज 'एक दीवाने की दीवानियत' भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है, जिसने पांच दिनों में ?40 करोड़ से ज़्यादा की कमाई की है। हर्षवर्धन और उनकी कॉ-स्टार सोनम बाजवा हाल ही में अपनी फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए गुजरात के एक थिएटर में गए, जहां एक्टर ने वहां मौजूद दर्शकों से बात की और न केवल उनकी फिल्म देखने के लिए, बल्कि थामा देखने के लिए भी उनका धन्यवाद किया, जो इस सप्ताह दिवाली पर रिलीज हुई है।

एक पपराजो अकाउंट द्वारा शेयर किए गए वीडियो में, हर्षवर्धन और सोनम को 'एक दीवाने की दीवानियत' की स्क्रीनिंग खत्म होने के बाद स्क्रीन के पास खड़े देखा जा सकता है। हर्षवर्धन दर्शकों से कहते हैं, 'इस दिवाली आपने दो बाहरी लोगों की फिल्मों का समर्थन किया। आयुष्मान खुराना की फिल्म मेरी फिल्म के साथ रिलीज़ हुई है। कृपया दोनों फिल्में देखें और दोनों का आनंद लें। इससे एक अच्छा संदेश जाता है कि आप लोगों ने अकेले पूरे बॉलीवुड से नेपोटिज्म को ही खत्म कर दिया।' इस पर दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाईं। हर्षवर्धन हाथ जोड़कर आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं, 'मुझे उम्मीद है कि आपको यह पसंद आएगा और आपके परिवार में जिन लोगों ने इस फिल्म नहीं देखा है, कृपया उनके साथ एक बार फिर जाएं।'

कमेंट सेक्शन में, सोशल मीडिया यूजर्स ने हर्षवर्धन की तारीफ कर रहें है। एक ने लिखा, 'पहला बंदा जो दूसरों को भी सपोर्ट करने के लिए बोल रहा है।' एक और ने लिखा, 'एक्टर ने आयुष्मान के बारे में भी कहा, एक्टर का सच्चा फैन हो गया।' नेपोटिज्म वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए, एक और सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, 'दर्शकों के पास सारी ताकत होती है! एक्टर्स को यह याद रखना चाहिए!'

मिलाप जावेरी द्वारा निर्देशित 'एक दीवाने की दीवानियत' ने भारत में अब तक ?34 करोड़ और दुनिया भर में ?45 करोड़ से ज़्यादा की कमाई कर ली है। ?25 करोड़ के बजट वाली इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर पहले ही

मछुआरों के लिए देवदूत बने भारतीय तटरक्षक बल, अरब सागर में 11 दिन से नाव में फंसे 31 लोगों को बचाया

बंगलूरू। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने अरब सागर में फंसे 31 मछुआरों की जान बचाई है। ये मछुआरे 11 दिनों से नाव में फंसे हुए थे। नाव के स्टीयरिंग गियर में अचानक खराबी के चलते और खराब मौसम की वजह से अरब सागर में काफी दूर तक बहती चली गई थी।

आईसीजी के मुताबिक, भारतीय तटरक्षक मुख्यालय संख्या 3 (कर्नाटक) को 24 अक्तूबर को गोवा की मछली पकड़ने वाली भारतीय नाव (आईएफबी) संत एंटोन-I के लापता होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही आईसीजी ने एक खोज और बचाव रेस्क्यू के लिए उतारा गया डोर्नियर विमान (एसएआर) अभियान शुरू किया। इस नाव को आखिरी बार न्यू मैंगलोर से लगभग 100 समुद्री मील दूर होने की सूचना मिली थी। आईसीजी ने पहले से ही नियमित गश्त कर रहे आईसीजीएस कस्तूरबा गांधी गश्ती पोत को आखिरी बार देखी गई संकटग्रस्त तटरक्षक डोर्नियर विमान लापता नाव का पता लगाने भेजा गया।

तटरक्षक बल ने एकीकृत परिचालन केंद्र नाव की जगह की तरफ रवाना कर दिया। इसके साथ ही, कोच्चि से एक और वास्तविक समय के मौसम संबंधी आंकड़ों से नाव के संभावित बहाव की योजना बनाकर गश्ती जहाज को उस तरफ रवाना किया। इस बीच डोर्नियर विमान ने इस नाव को अरब सागर में खोज निकाला और आईसीजीएस कस्तूरबा गांधी गश्ती जहाज ने नाव के पास पहुंचकर रसद सहायता, क्षति का आकलन, स्टीयरिंग सिस्टम की मौके पर मरम्मत की।

इसके बाद आईसीजी तटरक्षक जहाज ने इस संकटग्रस्त आईएफबी संत एंटोन-I को एक अन्य आईएफबी को सौंप दिया ताकि उसे सुरक्षित तरीके मछली पकड़ने वाले बंदरगाह होन्नावर तक ले जाया जा सके। इस बचाव अभियान ने आईसीजी के आदर्श वाक्य 'हम रक्षा करते हैं'को सही साबित कर दिखाया।

गलवान के बाद भारत-चीन सीधी उड़ानें बहाल, खत्म हुआ 5 साल का गतिरोध

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच सीधी वाणिज्यिक उड़ानें पांच साल से भी ज्यादा समय के बाद आधिकारिक तौर पर फिर से शुरू हो गई हैं। भारत स्थित चीनी दूतावास के प्रवक्ता यू जिंग ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी पुष्टि करते हुए लिखा, 'चीन और भारत के बीच सीधी उड़ानें अब एक वास्तविकता हैं।' इस घोषणा के साथ ही, आज कोलकाता से ग्वांगझू के लिए पहली उड़ान रवाना हुई।

इंडिगो ने शुरू की सेवा

भारतीय एयरलाइन इंडिगो कोविड-19 महामारी के बाद चीन के लिए सेवा फिर से शुरू करने वाली पहली एयरलाइनों में से एक बन गई है।

इंडिगो ने 2 अक्टूबर को घोषणा की थी कि वह 26 अक्टूबर, 2025 से एयरबस A320हाद विमानों का उपयोग करके कोलकाता और ग्वांगझू के बीच रोजाना नॉनस्टॉप उड़ानें शुरू करेगी। 9 नवंबर से शंघाई और नई दिल्ली के बीच हर हफ्ते तीन उड़ानें भी शुरू होंगी।

11 अक्टूबर को इंडिगो ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की कि दिल्ली और ग्वांगझू के बीच रोजाना सीधी उड़ानें 10 नवंबर से शुरू होंगी, जिससे दोनों देशों के बीच संपर्क और मजबूत होगा। इन मार्गों से हाल के वर्षों में बाधित हुए व्यापार, पर्यटन और व्यावसायिक संबंधों को फिर से स्थापित करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

सीमा तनाव के कारण उड़ानें निलंबित थीं

भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें कोविड-19 महामारी और जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद से निलंबित थीं। यह झड़प दशकों में सबसे घातक सीमा टकरावों में से एक थी, जिसके बाद दोनों देशों के बीच राजनयिक और आर्थिक संबंध तनावपूर्ण हो गए थे।

उड़ानों की बहाली अक्टूबर 2024 में दोनों पक्षों द्वारा वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त व्यवस्था पर एक समझौता किए जाने के बाद हुई है, जिसे सीमा तनाव कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना गया है।

स्वस्थ भारत ही विकसित भारत की आधारशिला : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि स्वस्थ भारत ही विकसित भारत की आधारशिला है। यहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा यशोदा मेडिसिटी के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, ''हम उस भारत की ओर बढ़ रहे हैं जिसका सपना हमारे पूर्वजों ने देखा था, जो शक्तिशाली और स्वस्थ हो।''

उन्होंने कहा, ''हमारा हर कदम, हर नीति, हर प्रयास देश के गरीब, वंचित और ग्रामीण जनमानस को समर्पित है। हम मानते हैं कि जब भारत का हर नागरिक स्वस्थ होगा तभी भारत सशक्त होगा।''

सिंह ने कहा, ''हमें 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए

राष्ट्र के नागरिकों का स्वास्थ्य उत्तम होना बहुत जरूरी है।'' रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि यशोदा मेडिसिटी के लिए गौरव की बात है कि इसे दक्षिण एशिया में रोबोटिक्स सर्जरी प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मान्यता मिली है। यह उपलब्धि निश्चित रूप से मेडिकल प्रशिक्षण और तकनीकी अनुसंधान को नई दिशा देगी।

उन्होंने अस्पताल के एमडी डॉ. पी एन अरोड़ा के संदर्भ में कहा, ''हम जब भी किसी सफल इंसान की कहानी पढ़ते हैं, आपको यही देखने को मिलेगा कि हर बड़ी यात्रा की शुरुआत किसी न किसी बड़ी व्यक्तिगत पीड़ा से निकलती है। यशोदा मेडिसिटी के चेयरमैन डॉ. पी एन अरोड़ा ने 1986 में अपनी माता को कैंसर की वजह से मृत्युशैया पर देखा, उनकी इसी पीड़ा ने यशोदा मेडिसिटी को जन्म दिया।

उत्तर रेलवे द्वारा प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर छठ पर्व मनाने के लिए अपने घर जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए किए विशेष प्रबंध

आज दिल्ली क्षेत्र से उत्तर रेलवे द्वारा 33 स्पेशल रेलगाड़ियों का संचालन

नई दिल्ली (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

छठ पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा के लिए उत्तर रेलवे ने दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख स्टेशनों पर बेहतर इंतज़ाम किए हैं, विशेष रूप से उन यात्रियों के लिए जो पूर्वी भारत की ओर अपने घर जा रहे हैं।

25.10.2025 को दिल्ली एरिया के 6 प्रमुख स्टेशनों – नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन, आनंद विहार टर्मिनल, हजरत निजामुद्दीन, शकूरबस्ती और गाज़ियाबाद – से कुल 3,51,221 यात्री रवाना हुए। यह संख्या पिछले वर्ष की इसी अवधि (दीपावली के पाँचवें दिन, 05.11.2024) की तुलना में 7.86इ अधिक है।

आज 33 स्पेशल ट्रेनें दिल्ली एरिया के प्रमुख स्टेशनों से चलाई जा रही हैं – नई दिल्ली से 9, दिल्ली जंक्शन से 4, आनंद विहार टर्मिनल से 9, हजरत निजामुद्दीन से 2, शकूरबस्ती से 5, दिल्ली सराय रोहिल्ला से 1, शामली से 1 और रोहतक से 2।

इसके अतिरिक्त 3 पासिंग स्पेशल ट्रेनें भी निर्धारित की गई हैं।

यात्रियों के सुगम आवागमन हेतु, 3 अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें – नई दिल्ली-दरभंगा, नई दिल्ली-राजेंद्र नगर टर्मिनल (पटना) और नई दिल्ली-सहरसा – को 25.10.2025 को चलाया गया।

यह यूक्रेन युद्ध से भी ज्यादा मुश्किल था, ट्रंप ने फिर भारत-पाक संघर्ष को सुलझाने का श्रेय लिया

वांशिगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि इस साल की शुरुआत में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष को समाप्त करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अपनी एशिया यात्रा पर रवाना होने से पहले, ट्रंप ने एयर फोर्स वन में मीडिया से बात करते हुए यह दावा किया और दुनिया भर के संघर्षों को सुलझाने का श्रेय खुद को दिया।

ट्रंप ने कहा कि उन्हें लगता है कि भारत और पाकिस्तान जैसे अन्य संघर्षों को समाप्त करना रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को सुलझाने से भी ज्यादा मुश्किल होगा।

ट्रंप ने कहा, 'मैंने इसे (युद्धविराम) रुकवाया और भी हैं। अगर आप भारत और पाकिस्तान को देखें, तो मैं कह सकता हूं कि मेरे द्वारा किए गए लगभग हर समझौते को रूस और यूक्रेन से ज्यादा मुश्किल माना जाता, लेकिन यह उस तरह से नहीं हुआ। रूस-यूक्रेन का संघर्ष सुलझाना सबसे चुनौतीपूर्ण है।' इस महीने की शुरुआत में, ट्रंप ने अपने टैरिफ की धमकियों को 'असली शांतिदूत' बताते हुए दावा किया था कि इनके बिना युद्धविराम कराने में मदद की। भारत ने खारिज किया दावा

वह आठ वैश्विक संघर्षों को 'हल' नहीं कर पाते।

ट्रंप बार-बार यह दावा करते रहे हैं कि उन्होंने कथित तौर पर वाशिंगटन की मध्यस्थता से हुई बातचीत के बाद परमाणु-सशस्त्र पड़ोसी भारत और पाकिस्तान के बीच 'पूर्ण और तत्काल' हालांकि, भारत सरकार ने राष्ट्रपति ट्रंप के इन दावों को बार-बार खारिज किया है। भारत का रुख स्पष्ट है कि शत्रुता को रोकने का निर्णय बिना किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के, दोनों पक्षों के बीच हुई सीधी बातचीत के माध्यम से लिया गया था।

ब्रुसेल्स में भारत-ईयू व्यापार समझौते को नई दिशा देंगे पीयूष गोयल गोयल, निर्णायक मोड़ पर पहुंची वार्ता

नई दिल्ली।वाणिज्य और उद्योग मंत्री पियूष गोयल 27 अक्तूबर को दो दिवसीय दौरे पर ब्रुसेल्स जाएंगे। इस दौरान वे यूरोपीय संघ (ईयू) के कार्यकारी उपाध्यक्ष और वाणिज्य आयुक्त मारोस सेफचोविक से मुलाकात करेंगे। भारत-ईयू के बीच चल रहे फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) को राजनीतिक बढ़ावा देने और रणनीतिक दिशा देने के उद्देश्य से यह यात्रा बेहद अहम मानी जा रही है।

वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि यह दौरा उस समय हो रहा है जब भारत-ईयू एफटीए वार्ता अपने निर्णायक मोड़ पर है। दोनों पक्ष व्यापक, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने की कोशिश में जुटे हैं। मंत्रालय के अनुसार, गोयल की यात्रा का लक्ष्य बातचीत को रणनीतिक दिशा देना और वार्ता में राजनीतिक गति लाना है, ताकि दिसंबर तक समझौता हो सके।

दोनों पक्षों के बीच होने वाली चर्चा में बाज़ार तक पहुंच, गैर-शुल्क अवरोध और नियामकीय सहयोग जैसे अहम विषय शामिल रहेंगे। मंत्रालय ने कहा कि इस यात्रा के दौरान अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की जाएगी और उन क्षेत्रों की पहचान की जाएगी जहाँ और अधिक समन्वय की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि छह से 10 अक्तूबर के बीच दोनों पक्षों के बीच 14वें दौर की वार्ता संपन्न हुई थी।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने भी हाल में ब्रुसेल्स में यूरोपीय आयोग की ट्रेड डायरेक्टर जनरल सबीन वैयंड से बातचीत की थी। भारत और ईयू के बीच द्विपक्षीय माल व्यापार वर्ष 2024-25 में 136.53 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जिसमें भारत का निर्यात 75.85 अरब डॉलर और आयात 60.68 अरब डॉलर का था। यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जो भारत के कुल निर्यात का 17 प्रतिशत और अपने कुल निर्यात का नौ प्रतिशत भारत को भेजता है।

भारत-ईयू व्यापार समझौते की वार्ता 23 नीति-क्षेत्रों पर केंद्रित है, जिनमें माल और सेवाओं का व्यापार, निवेश, विवाद समाधान, भौगोलिक संकेतक, बौद्धिक संपदा अधिकार और सतत विकास शामिल हैं। ईयू की ओर से वाहनों और चिकित्सा उपकरणों पर शुल्क में कमी, वाइन, स्पिरिट, मांस-पोल्ट्री जैसे उत्पादों पर कर घटाने और सशक्त आईपीआर ढांचे की मांग की जा रही है। वहीं, भारत का मानना है कि समझौता दोनों पक्षों के लिए समान रूप से लाभदायक और टिकाऊ होना चाहिए, ताकि भारतीय वस्त्र, दवाइयां, इस्पात, पेट्रोलियम उत्पाद और इलेक्ट्रॉनिक मशीनरी जैसे क्षेत्रों को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिल सके।

हार के बाद भी नहीं टूटी कमला हैरिस की उम्मीद, 2028 में फिर से व्हाइट हाउस पहुंचने का इरादा

वांशिगटन। अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने एक बार फिर संकेत दिया है कि वह भविष्य में राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल हो सकती हैं, हालांकि उन्होंने इस संबंध में अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब डोनाल्ड ट्रंप के फैसलों के कारण अन्य देशों से अमेरिका के रिश्तों में तनाव की खबरें हैं।

शनिवार को बीबीसी को दिए एक साक्षात्कार में हैरिस ने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में एक महिला अमेरिका की राष्ट्रपति बनेगी और यह वह खुद हो सकती हैं।

2028 चुनाव पर बयान

60 वर्षीय हैरिस ने कहा, 'मैंने अब तक हार नहीं मानी है।' उन्होंने इस बात को खारिज कर दिया कि उन्हें भविष्य में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने 2028 में राष्ट्रपति चुनाव में किस्मत आजमाने के बारे में अब तक कोई निर्णय नहीं लिया है।

सेवाभाव पर जोर

हैरिस ने कहा, 'मैंने अपना पूरा करियर

सेवाभाव से जिया है और यह मेरी रगों में बसा है। सेवा करने के कई तरीके हैं। मैंने कभी जनमत सर्वेक्षणों पर ध्यान नहीं दिया।'

पिछले हफ्ते एसोसिएटेड प्रेस को दिए साक्षात्कार में भी हैरिस ने स्पष्ट किया था कि उन्होंने 2028 में फिर से चुनाव लड़ने का विचार त्यागा नहीं है। उन्होंने कहा कि वह खुद को डेमोक्रेटिक पार्टी की समर्पित नेता के रूप में देखती हैं और वर्तमान में पूरी शिद्दत से 2026 के मध्यावधि चुनाव की तैयारी कर रही हैं।

2024 का अनुभव

हैरिस ने हाल ही में अपनी पुस्तक '107 डेज' का विमोचन किया है। यह पुस्तक 2024 के डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन के दौड़ से बाहर होने के बाद उनकी जगह लेने के हैरिस के अनुभव पर केंद्रित है। 2024 के चुनाव में उन्हें आखिरकार रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप से हार का सामना करना पड़ा था।

रूस ने कीव पर ड्रोन से हमले किए, तीन लोगों की मौत

रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर शनिवार रात ड्रोन से हमले किए, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। कीव पर लगातार दूसरी रात हुए हमले में कम से कम 29 लोग घायल हो गए, जिनमें सात बच्चे शामिल हैं।

यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लिमेंको ने कहा कि मारे गए लोगों में 19 वर्षीय लड़की और उसकी 46 वर्षीय मां शामिल हैं। रूसी ड्रोन हमले के कारण राजधानी के देस्नियान्स्की जिले में दो रिहायशी इमारतों में आग लग गई।

आपातकालीन दल ने नौ मंजिला इमारत और 16 मंजिला इमारत से निवासियों को निकाला। यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार, रूस ने शनिवार रात यूक्रेन पर 101 ड्रोन से हमला किया, जिनमें से 90 को यूक्रेनी बलों ने मार गिराया। हालांकि, ड्रोन से हुए हमलों में चार स्थानों पर नुकसान पहुंचा।

पुतिन ने परमाणु इंजन वाली अनोखी क्रूज मिसाइल के सफल परीक्षण की घोषणा की

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने असीमित रेंज वाली अद्वितीय परमाणु ऊर्जा संचालित 'बुरेवेस्त्निक' क्रूज मिसाइल के सफल परीक्षण की रविवार को घोषणा की और सशस्त्र बलों को इसकी तैनाती के लिए बुनियादी ढांचा तैयार करने का आदेश दिया।

पुतिन ने 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ' और अन्य सैन्य कमांडरों के साथ अपनी बैठक में उल्लेख किया कि हाल में परमाणु शक्तियों के अभ्यास के दौरान 'बुरेवेस्त्निक' क्रूज मिसाइल 15 घंटे तक हवा में रही और उसने सफल परीक्षणों के दौरान 14,000 किलोमीटर की दूरी तय की। इस बैठक का टेलीविजन का प्रसारण किया गया। रूस के सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर के रूप में पुतिन ने इससे पहले सुबह यूक्रेन में सैन्य अभियानों के संयुक्त स्टाफ का दौरा किया और चीफ जनरल स्टाफ

जनरल वालेरी गेरासिमोव के नेतृत्व में बल कमांडरों के साथ बातचीत की।

गेरासिमोव ने पुतिन को दो महत्वपूर्ण दिशाओं में 10,000 से अधिक यूक्रेनी सैनिकों की घेराबंदी किए जाने के जानकारी दी। गेरासिमोव ने कहा, ''31 बटालियन वाले यूक्रेनी सशस्त्र बलों के एक बड़े समूह को अवरुद्ध कर दिया गया है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। दैथानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)